19 जुलाई 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

टेलीफोन वायर के रोल में छुपाकर हरियाणा के रोहतक से लाई जा रही थी शराब की खेप

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

आपकी आवाज

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

कैबिनेट का फैसला: घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री सचिवालय के कैबिनेट हॉल में शुक्रवार को नीतीश कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट की बैठक में तमाम विभागों के मंत्री मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में ऊर्जा विभाग से जुड़े एक प्रस्ताव पर कैबिनेट की मुहर लगी है।

सरकार ने राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट फ्री बिजली देने के प्रस्ताव पर अपनी मुहर लगा दी। ऊर्जा विभाग के इस प्रस्ताव को मंत्रीपरिषद से मंजूरी मिल गई है। अब राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को अगस्त महीने से 125 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी। दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव

♦ विपक्ष को लगा झटका, मुख्यमंत्री ने एक्स पर राज्य के लोगों को दिया संदेश

से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बड़ा दांव खेलते हुए बिहार के लोगों को बड़ी सौगात दे दी है।

विपक्ष आगामी विधान सभा चुनाव में 200 यूनिट फ्री बिजली देने के वादे के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहा था लेकिन इससे पहले ही सरकार ने विपक्ष के इस बड़े चुनावी वादे के झपट लिया और खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर राज्य की जनता से 125 यूनिट बिजली फ्री में देने का वादा

कर दिया। सीएम नीतीश के इस ऐलान से विपक्ष को बड़ा झटका लगा और उसके हाथ से एक बड़ा चुनावी मुद्दा निकल गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चार दिन के भीतर कैबिनेट की दूसरी बैठक बुलाई और ऊर्जा विभाग के इस अहम प्रस्ताव पर सरकार की मंजूरी दे दी। विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार के इस फैसले को बड़ा मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि इस फैसले का लाभ आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिलेगा।

राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयंत्र अधिष्ठापन के लिए मिलेगी वित्तीय सहायता

ऊर्जा विभाग के प्रस्ताव में कहा गया कि राज्य में सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई 2025 की खपत के आधार पर एक अगस्त 2025 से 125 यूनिट प्रति माह खपत तक शत प्रतिशत अनुदान देने हेतु मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के विस्तारीकरण हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अतिरिक्त 3797.00 करोड़ (तीन हजार सात सौ संतानवे करोड़) रुपये बिहार स्टेट पावर (हो.) कं. लि. को उपलब्ध कराने की स्वीकृति के साथ-साथ राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को न्यूनतम 1.1 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र अधिष्ठापन के लिए कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं को पूर्ण वित्तीय सहायता एवं अन्य घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयंत्र अधिष्ठापन हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान किया जाना आवश्यक है। इससे पहले भी बीते 15 जुलाई को कैबिनेट की बैठक हुई थी, जिसमें राज्य में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार, वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के काम में लगे बीएलओ और सुपरवाइजर को राज्य सरकार ने एकमुश्त 6000 रुपये मानदेय देने समेत कई बड़े फैसले लिए गए थे।

बढ़ी परेशानी: लैंड फॉर जॉब मामले में लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दिया स्टे

एजेंसी/नई दिल्ली

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। जमीन के बदले नौकरी घोटाले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने और ट्रायल पर रोक की उनकी मांग को शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह फिलहाल हाई कोर्ट में लंबित इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

अदालत ने साफ किया कि ट्रायल की कार्यवाही पर कोई स्टे नहीं दिया जाएगा और मुकदमे की सुनवाई जारी रहेगी। हालांकि कोर्ट ने यह निर्देश जरूर दिया कि हाई कोर्ट इस मामले की सुनवाई तेजी से कर। अदालत ने यह भी कहा कि लालू यादव की उम्र को ध्यान में रखते हुए, ट्रायल के दौरान उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश नहीं होना पड़ेगा।

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि लालू यादव 2002 से मंत्री रहे, लेकिन सीबीआई ने 2014 में जांच शुरू की और अब तक उनके खिलाफ अभियोजन स्वीकृति नहीं ली गई, जबकि बाकी सभी के लिए स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह मामला हाई कोर्ट में ही तय होना चाहिए व शीर्ष अदालत इसमें दखल नहीं देना चाहती।

प्रधानमंत्री ने 7204 करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास और उद्घाटन

पूर्वी भारत को आगे बढ़ाने के लिए हमें विकसित बिहार बनाना होगा: पीएम

♦ पीएम मोदी ने लोगों को दिलाई आरजेडी के शासनकाल की याद

केटी न्यूज/पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोतिहारी में आयोजित एक कार्यक्रम में बिहार को करोड़ों की सौगात दी। पीएम ने कुल 7204 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मोतिहारी के गांधी मैदान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्वी भारत को आगे बढ़ाने के लिए हमें बिहार को विकसित बिहार बनाना होगा। इस दौरान मंच पर सीएम नीतीश कुमार भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कहा कि आप लोगों ने इस धरती को आरजेडी और कांग्रेस की बेड़ियों से मुक्त किया, असंभव को संभव बनाया। उसी का परिणाम है कि आज बिहार में गरीब कल्याण को योजनाएं सीधे गरीबों तक पहुंच रही है। पिछले 11 वर्षों में पीएम आवास योजना के तहत देश में गरीबों के लिए चार करोड़ से भी

ज्यादा घर बनाए गए हैं। इनमें से करीब 60 लाख घर अकेले बिहार में बने हैं। हमारे अकेले मोतिहारी जिले में ही तीन लाख के करीब गरीब परिवारों को पक्के घर मिलें हैं और गिनती लगातार बढ़ रही है। आरजेडी और कांग्रेस के राज में गरीब को ऐसे पक्के घर मिलना असंभव था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन लोगों के राज में लोग अपने घरों में रंग-रोगन तक नहीं करवाते थे, डरते थे कि अगर रंग-रोगन हो गया तो पता नहीं कि मकान मालिक को ही उठवा लिया जाए। आज बिहार आगे बढ़ रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत बिहार की माताओं बहनों की है। एनडीए की ओर से उठाए जा रहे एक-एक कदम का महत्व बिहार की माताएं-बहनें अच्छी तरह समझती हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज बिहार में इतनी तेजी से काम इसलिए हो रहा है, क्योंकि केंद्र और राज्य में बिहार के लिए काम करने वाली सरकार है। जब केंद्र में कांग्रेस और आरजेडी की सरकार थी, तो यूपीए के 10 साल में बिहार को सिर्फ दो लाख करोड़ रुपये के आसपास मिले यानी नीतीश जी की सरकार से ये लोग बदला ले रहे थे। 2014 में केंद्र में आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया। केंद्र में आने के बाद मैंने बिहार से बदला लेने वाली उस पुरानी राजनीति को भी समाप्त कर दिया।

पुणे की तरह पटना में भी हो औद्योगिक विकास

पीएम ने कहा कि पिछले 10 साल में एनडीए के 10 वर्षों में बिहार के विकास के लिए जो राशि दी गई है, वो पहले से कई गुना ज्यादा है। आज की पीढ़ी को जानना जरूरी है कि बिहार दो दशक पहले किस तरह हताशा में डूबा हुआ था। आरजेडी और कांग्रेस के राज में विकास पर ब्रेक था, गरीब का पैसा गरीब तक पहुंचना असंभव था। पीएम मोदी ने कहा कि जो ताकत पश्चिम के पास होती थी, उसमें अब पूरब के देशों का दबदबा बढ़ रहा है। हमारा संकल्प है, आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूरब में मोतिहारी का भी नाम हो। जैसे अवसर गुरुग्राम में हैं, वैसे ही अवसर गयाजी में भी बनें। पुणे की तरह पटना में भी औद्योगिक विकास हो। पूर्वी भारत को आगे बढ़ाने के लिए, हमें बिहार को विकसित बिहार बनाना है।

पीएम बिहार के लिए कर रहे हैं खास काम : सीएम नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि 2005 से पहले जो सरकार थी, वो कुछ काम नहीं करती थी। बिहार का हाल पहले बुरा था। बीजेपी और जेडीयू की सरकार बनी तो उसने काम शुरू किया। हम 20 साल से काम कर रहे हैं। हम बहुत रोजगार दे रहे हैं। अगले 5 साल में हम एक करोड़ लोगों को रोजगार देंगे। हमने बिहार में मुफ्त बिजली कर दी है। पहले आरजेडी की सरकार के समय बिजली ही नहीं थी। अब तो बिजली भी है और फ्री भी है।

प्रधानमंत्री ने बिहार को दिए कई तोहफे : उपमुख्यमंत्री सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब चुनाव जीतकर पहली बार बिहार आए तो नालंदा वीवी के पुनर्विकास का लोकार्पण किया था। जमुई में 7000 हजार करोड़ की योजना आदिवासी कल्याण के लिए समर्पित की गई। फिर दरभंगा में एम्स का शिलान्यास किया गया। हाल ही में विक्रमगंज में पीएम मोदी ने ऊर्जा और रेलवे के स्ट्रक्चर को मजबूती दी गई। फिर सीवान की धरती से पीएम ने विभिन्न योजनाओं की सौगात दी।

बढ़ी आप नेताओं की मुश्किलें: तीन अलग अलग घोटालों में मनी लॉन्ड्रिंग के तीन केस दर्ज

एजेंसी/नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) और उसके नेताओं की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। ईडी ने पार्टी की दिल्ली सरकार के कार्यकाल के दौरान सामने आए तीन अलग-अलग घोटालों में मनी लॉन्ड्रिंग के तीन नए केस दर्ज किए हैं।

ईडी ने अस्पताल निर्माण घोटाला, सीसीटीवी घोटाला और शेल्टर होम घोटाला से संबंधित प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट फाइल कर ली है। सूत्रों के मुताबिक, जल्द ही 2018-19 में दिल्ली सरकार ने 24 नए अस्पताल प्रोजेक्ट मंजूर किए थे। वादा था कि 6 महीने में आईसीयू वाले अस्पताल तैयार होंगे। तीन साल बाद भी 50 प्रतिशत काम अधूरा है, जबकि 800 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हो चुके हैं। सिर्फ एलएनजीपी अस्पताल की लागत ही 488 करोड से बढ़कर 1,135 करोड़ हो गई। बिना मंजूरी निर्माण, संदिग्ध ठेकेदार और एचआईएमएस सिस्टम 2016 से पेंडिंग, ये सभी मामले संदेह के घेरे में है। 2019 में दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में 1.4 लाख सीसीटीवी लगाने का प्रोजेक्ट शुरू हुआ था। प्रोजेक्ट का ठेका भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को मिला, लेकिन समय पर काम पूरा नहीं हुआ। बीईएल पर 17 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया, लेकिन बाद में बिना कारण माफ कर दिया गया। आरोप है कि इसके बदले में सत्येंद्र जैन को सात करोड़ रुपये की रिश्वत दी गई, जो ठेकेदारों के जरिए पहुंचाई गई। दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड से जुड़े कई गड़बड़ियां सामने आई हैं।

दिल्ली के 20 व बेंगलुरु के 40 स्कूलों को थ्रेट मेल

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में शुक्रवार को फिर 20 से ज्यादा स्कूलों में बम की धमकी सामने आई है। इनमें पश्चिम विहार इलाके का एक स्कूल, रोहिणी सेक्टर तीन के अभिनव पब्लिक स्कूल समेत शहर के कुल 20 से अधिक स्कूलों को धमकी भरा मेल आया है। इधर बेंगलुरु के स्कूलों में भी 40 स्कूलों को थ्रेट मेल आए हैं। धमकी मिलने के बाद से हड़कंप मच गया। जानकारी मिलते ही फायर विभाग और दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंच गए और परिसरों की जांच शुरू कर दी। अब तक दस से ज्यादा स्कूलों में जांच पूरी हो चुकी है. साथ ही अब दिल्ली पुलिस मेल के ओरिजिन की जांच में भी जुटी है।

इस बीच कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के 40 प्राइवेट स्कूलों में भी बम की धमकी मिली है। इनमें आरआर नगर और केंगेरी के स्कूलों में थ्रेट ईमेल मिले. पुलिस इसकी जांच कर रही है। इधर, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना ने ट्वीट कर राजधानी में बच्चों की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा- आज 20 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिली हैं। जरा सोचिए, बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को कितना सदमा झेलना पड़ रहा होगा। दिल्ली में भाजपा के हाथ में शासन के चारों इंजन हैं, फिर भी वह हमारे बच्चों को कोई सुरक्षा नहीं दे पा रही है। ये स्तब्ध करने वाला है।

गौरतलब है कि बीते कुछ समय से दिल्ली में लगातार स्कूलों और कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। इन धमकियों से छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में दहशत है। हैरानी की बात यह है कि ये धमकियां ईमेल के जरिए भेजी जा रही हैं, जिन्हें लेकर दिल्ली पुलिस और बम निरोधक दस्ते सतर्क हो गए हैं।

बढ़ते अपराध पर बोले चिराग... प्रशासन और सरकार दे रहे अपराधियों को संरक्षण

केटी न्यूज/पटना

बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और इसमें पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत सामने आ रही है। यह आरोप किसी विपक्षी नेता ने नहीं, बल्कि केंद्र सरकार के मंत्री और एनडीए सहयोगी चिराग पासवान ने लगाया है। चिराग ने पुलिस और प्रशासन पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

चिराग ने वैशाली जिले के गोरौल प्रखंड स्थित पीरापुर गांव में संजना भारती हत्याकांड के पीड़ित परिजनों से मुलाकात के दौरान कहा कि बिहार में अपराधी पुलिस के सहयोग से बेखौफ हैं। जब तक बड़े पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कुछ नहीं बदलेगा।

पीरापुर गांव की संजना भारती का 27 मई को अपहरण कर लिया गया था। अपहरण के 1 माह 13 दिन बाद उसका शव जमीन में दबा हुआ मिला। वैशाली एसपी ने दोनों थानाध्यक्षों को निलंबित कर दिया है। हालांकि, मुख्य आरोपी अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है, और पीड़ित परिवार को लगातार धमकियां मिल रही हैं। बता दें कि यह कोई पहली बार नहीं है जब चिराग पासवान ने बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। इससे पहले भी वे राज्य में बढ़ते अपराध और प्रशासनिक ढिलाई को लेकर चिंता जता चुके हैं।

बिहार के शहरी क्षेत्र में पाइपलाइन से पहुंचेगी रसोई गैस

केटी न्यूज/पटना

बिहार के सभी 38 जिलों के शहरी क्षेत्र में पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस अर्थात पीएनजी की आपूर्ति रसोईघरों में की जाएगी। बिहार सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बिहार शहरी गैस वितरण नीति, 2025 को मंजूरी दे दी है।

बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता विभाग ने इसको लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है। इस नीति को मंजूरी देने के बाद शहरी क्षेत्रों में अब पीएनजी घरेलू गैस कनेक्शन दिए जाएंगे। इस नीति को मंजूरी मिलने से औद्योगिक, वाणिज्यिक, परिवहन और घरेलू उपयोग के लिए प्राकृतिक गैस मुहैया करवाना आसान होगा। इसके लिए शहरी गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। सभी 38 जिलों में छह शहरी गैस वितरण इकाईयों के माध्यम से करीब 30 लाख पीएनजी घरेलू गैस दिए जाएंगे। साथ ही, करीब 650 सीएनजी स्टेशनों का निर्माण प्रस्तावित है।

सीजीडी नीति तैयार की गई: शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार के लिए संबंधित तेल कंपनियों एवं विभागों से विमर्श के बाद सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नीति तैयार की गई है। राज्य सरकार की इस नीति से घरेलू एवं औद्योगिक क्षेत्रों के लिए प्राकृतिक गैस का वितरण आसान हो जाएगा। घरेलू इस्तेमाल के लिए पीएनजी और परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी का उपयोग बढ़ाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, शहरी गैस वितरण नीति, 2025 के निर्धारण से राज्य में प्राकृतिक गैस को हरित और स्वच्छ ईंधन के रूप में अपनाने को बढ़ावा मिलेगा।

आरएसएस प्रमुख ने महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर दिया बयान

महिलाएं किसी भी समाज का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा: मोहन भागवत

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को महिलाओं को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। मोहन भागवत ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बहुत आवश्यक है और महिलाओं को रूढिवादी रीति-रिवाजों और परंपराओं से मुक्त किया जाना चाहिए। आरएसएस प्रमुख महाराष्ट्र के सोलापुर में गैर-लाभकारी संगठन उद्योगवर्धनी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी भी समाज का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि एक पुरुष अपनी मृत्यु तक काम करता है और एक महिला भी अंत तक काम करती है, लेकिन वह उससे भी आगे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है। एक महिला के प्यार और स्नेह के तले बच्चे बढ़ते है, परिपक्व होते हैं और उनका विकास होता है। इसके साथ ही आरएसएस प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय विकास के लिए भी महिलाओं का सशक्तिकरण बेहद महत्वपूर्ण है।

ईश्वर ने महिलाओं को दिए हैं अतिरिक्त गुण : उन्होंने कहा कि ईश्वर ने पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को कुछ अतिरिक्त गुण दिए हैं, जिससे महिलाएं वह सभी काम कर सकती हैं, जो सामान्य रूप से पुरुष नहीं कर सकते है। ईश्वर ने महिलाओं को वे सभी गुण दिए हैं, जो उन्होंने पुरुषों को दिए हैं, जिसके कारण वे वह सब कुछ भी कर सकती हैं, जो पुरुष कर सकते हैं। इसलिए पुरुषों का यह दावा करना मूर्खता है कि वे महिलाओं का उत्थान करेंगे। उन्होंने कहा, ह्लइस तरह के अहंकार का कोई आधार नहीं है। महिलाओं को वह करने दें, जो वे करना चाहती हैं। बस उन्हें सशक्त बनाएं और उन्हें रूढिवादी रीति-रिवाजों और परंपराओं से मुक्त करें। उन्होंने कहा कि जब एक महिला खुद का उत्थान करती है, तो वह पूरे समाज को ऊपर उठाती है।

10 अगस्त तक नहीं किया सीएमआर चावल जमा, तो मिलरों पर करें कारवाई: गिरिजेश

♦ सीएमआर आपूर्ति में सुस्ती पर सख्ती, बक्सर में समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के तहत अधिप्राप्त धान के विरुद्ध चावल की आपूर्ति में धीमी प्रगति पर जिला प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) गिरिजेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित एक अहम समीक्षा बैठक में चावल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में यह जानकारी सामने आई कि अब तक केवल 85.82 प्रतिशत सीएमआर ही राज्य खाद्य निगम के गोदाम में जमा हो सका है, जिससे अधिकारियों ने असंतोष जताया।

अपर समाहर्ता ने जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी समितियों से खरीदे गए धान के विरुद्ध संबद्ध राइस मिलों से 10 अगस्त तक शत-प्रतिशत चावल की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तय तिथि तक चावल की आपूर्ति पूरी नहीं होती है, तो संबंधित पैक्सों, व्यापार मंडलों और राइस मिलों के विरुद्ध नियमों के तहत कार्रवाई किया जाए तथा उनपर एफआईआर दर्ज कराया जाए। समीक्षा के दौरान यह भी पाया गया कि जिले के राजपुर और इटाढ़ी प्रखंडों में सीएमआर आपूर्ति की स्थिति सबसे चिंताजनक है। राजपुर में 87 लॉट तथा इटाढ़ी में 66 लॉट चावल जमा नहीं किया गया है, जो अधिकारियों के अनुसार बेहद चिंता का विषय है।

इसके आलोक में निर्देश दिया गया कि सबसे कम आपूर्ति करने वाले पैक्सों और राइस मिलों की सूची तैयार कर उनके लिए माइक्रो प्लान बनाकर जिला आपूर्ति शाखा को शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। अपर समाहर्ता ने चेतावनी दी कि यदि आवश्यकता पड़ी तो दोषियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराई न जा सकें।

ई-केवाईसी में बक्सर जिला बिहार में दूसरे स्थान पर

बक्सर। डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में जिला आपूर्ति टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में खाद्यान्न वितरण, ई-केवाईसी, राशन कार्ड निर्गमन, पीडीएस दुकान जांच और गोदाम प्रबंधन जैसे प्रमुख बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि जिले में अब तक 84.20 प्रतिशत लाभुकों का ई-केवाईसी कार्य पूर्ण हो चुका है, जिससे बक्सर बिहार राज्य में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। हालांकि नावानगर, चौगाई और केसठ प्रखंडों की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाई गई। डीएम ने इन प्रखंडों के आपूर्ति निरीक्षकों को एक सप्ताह के भीतर औसत से बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। डॉ. अंबेडकर समग्र विकास शिविर के दौरान प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही के लिए भी निर्देश दिए गए, जिसमें चक्की और चौगाई को छोड़कर सभी प्रखंडों को शामिल किया गया। पीडीएस की पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से सभी प्रखंड निरीक्षकों को पीडीएस परख एप के माध्यम से नियमित जांच करने को कहा गया। साथ ही, एसडीओ को निर्देशित किया गया कि डीलरों, टीपीडीएस और सीएमआर गोदामों में पाई गई अनियमितताओं पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें।

एक नजर

डाक योजनाएं घर-घर पहुंचाने का संकल्प, उत्कृष्ट कर्मियों को किया गया सम्मानित

डुमरांव। डुमरांव के राजगढ़ परिसर स्थित डाकघर में शुक्रवार को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें डाक विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को लेकर कर्मियों में नई ऊर्जा का संचार देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य डाक सेवाओं को लक्ष्य से आगे बढ़ाकर आम लोगों तक पहुंचाना और विभागीय कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मियों को सम्मानित करना था। डाक अधीक्षक नीरज कुमार ने कहा कि डाक विभाग अब पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़कर समाज के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम बन चुका है। उन्होंने कर्मियों से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर योजनाओं की जानकारी दें, ताकि आम जनता इनसे लाभान्वित हो सके। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना, डाक जीवन बीमा, आवर्ती व सावधि जमा जैसी योजनाओं को आमजन के लिए बेहद उपयोगी बताया। विशेष रूप से 29 रुपये मासिक प्रीमियम वाली डाक जीवन बीमा योजना को ग्रामीण क्षेत्रों में लोकप्रिय बताया गया। साथ ही 10 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं का सुकन्या योजना में खाता खोलने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम में डाक जीवन बीमा महा मेला 20 अगस्त को आयोजित करने की भी घोषणा की गई। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य के लिए विकास कुमार, संजय गोंड, कमलेश यादव और विशाल कुमार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सहायक डाक अधीक्षक श्रीनिवास, निरीक्षक रंजीत कुमार और बीमा डीओ मंजय कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस बन युवाओं से करता था ठगी, कैमूर पुलिस ने चौसा से किया गिरफ्तार

बक्सर। वर्दी पहनकर खुद को दरोगा बताने वाला एक युवक शुक्रवार को पुलिस के हत्थे चढ़ गया। बक्सर जिले के चौसा बारा मोड़ का रहने वाला धीरेंद्र खरवार उर्फ मंगरू लंबे समय से बेरोजगार युवाओं को पुलिस में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता आ रहा था। आरोपी के खिलाफ कैमूर जिले के कुदरा थाना में पहले से मामला दर्ज था और उसकी तलाश महीनों से जारी थी। धीरेंद्र अपने आप को सब-इंस्पेक्टर बताकर लोगों को भ्रमित करता था। वह पुलिस की वर्दी पहनकर युवाओं से मिलता था, खुद को प्रभावशाली बताता और यह विश्वास दिलाता कि वह पुलिस विभाग में नौकरी दिला सकता है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसके निशाने पर खासकर गरीब और बेरोजगार युवा होते थे, जिनसे वह 1 से 2 लाख रुपये तक वसूलता था। वर्ष 2024 में कुदरा थाना क्षेत्र के खनेठी गांव निवासी संजय प्रसाद गुप्ता ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि धीरेंद्र ने करीब 10 युवकों से 15 लाख रुपये की ठगी की है। गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार को कुदरा पुलिस चौसा पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। कुदरा थाना प्रभारी विकास कुमार के अनुसार, आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है।

टेलीफोन वायर के रोल में छुपाकर हरियाणा के रोहतक से लाई जा रही थी शराब की खेप

प्रताप सागर के पास 66.5 लाख की शराब जब्त, दो गिरफ्तार

♦ प्रताप सागर के पास पकड़ी गई शराब लदी ट्रक

♦ पहचान छिपाने के लिए बोतल का रैपर तक उखाड़ लिए थे तस्कर

केटी न्यूज/डुमरांव

शराबबंदी वाले बिहार में शराब तस्करी के हर दिन नये नये तरकीब देखने को मिल रही है। हालांकि, पुलिस की सक्रियता से नई तरकीब अपनाने के बावजूद तस्करों को मुंह की खानी पड़ रही है। कुछ ऐसा ही नया भोजपुर थाने की पुलिस ने भी किया है, जब तस्करों के तरकीब को बेनकाब करते हुए एक ट्रक पर लदी 3697.2 लीटर विदेशी शराब के साथ दो तस्करों को पकड़ने में सफलता पाई है। पुलिस को यह सफलता गुप्त सूचना पर बक्सर पटना राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर प्रतापसागर के पास शुक्रवार की सुबह मिली है। बरामद शराब की कीमत 66.5 लाख रुपए आंकी जा रही है। शराब की उक्त खेप को हरियाणा के रोहतक से बिहार के बेगूसराय लाई जा रही थी।

गिरफ्तार तस्करों में मध्यप्रदेश के नानकनगर निवासी अनीश पाटीदार पिता काशीराम तथा इंदौर के राम सिंह पिता भंवर सिंह राउ शामिल है। पुलिस उनसे पूछताछ कर पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है। डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने नया भोजपुर थाने में प्रेस वार्ता आयोजित कर इस संबंध में जानकारी दी है। एसडीपीओ ने बताया कि शुक्रवार की सुबह गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक पर टेलीफोन के वायर रोल की आड़ में शराब की तस्करी की जा रही है तथा शराब लदी कंटेनर वीर कुंवर सिंह चेकपोस्ट से आगे बढ़ गई है। इसकी जानकारी मिलते ही नया भोजपुर पुलिस को अलर्ट किया गया। पुलिस प्रताप सागर के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाने लगी। इसी दौरान उक्त ट्रक आती दिखाई दी।

पुलिस ने जब उसे रोककर पूछताछ की तो चालक व खलासी ने बताया कि इसमें टेलीफोन वायर है। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में उक्त ट्रक को थाना लाई तथा टेलीफोन वायर रोल को तोड़कर जब देखा गया तो उसमें शराब की पेटिया नजर आई। एसडीपीओ ने बताया कि उक्त ट्रक से 3697.2 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया है। तस्करों ने शराब निमार्ता कंपनी को बचाने के लिए उसमें लदी एक-एक बोतल के रैपर को उखाड़ लिया था, ताकि आसानी से यह पता नहीं चल सके कि शराब का निर्माण कहा हुआ था तथा इसकी सप्लाई कहां होनी थी। वैसे अभी तक जो प्रारंभिक जानकारी मिली है, उसके अनुसार शराब की उक्त खेप को हरियाणा के रोहतक से बिहार के बेगुसराय ले जाया जा रहा था।

हालांकि, तस्करों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उन्हें शराब की यह खेप कहां तक ले जाना है। मास्टरमाइंड द्वारा हर 40-50 किलोमीटर पर उन्हें लोकेशन भेजा जा रहा है। जाहिर है मास्टर माइंड ट्रक से कुछ किलोमीटर की दूरी बनाकर चल रहे थे तथा जीपीएस सिस्टम से उक्त ट्रक की निगरानी कर रहे थे। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ तथा उनके मोबाईल के कॉल डिटेल्स के आधार पर तस्करों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जल्दी ही मास्टरमाइंड के गिरेबां तक पुलिस के हाथ पहुंच जाएंगे। एसडीपीओ ने इस सफलता पर नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार तथा पूरी टीम की तारीफ की। गौरतलब हो कि नया भोजपुर पुलिस पिछले दो महीने में शराब की ऐसी तीन बड़ी खेपों को पकड़ चुकी है।

गौरव पांडेय बने बक्सर सदर के नये एसडीपीओ

बक्सर। गौरव पांडेय को बक्सर सदर का नया एसडीपीओ बनाया गया है। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के रहने वाले गौरव पांडेय वर्तमान में रेल, बरौनी में डीएसपी थे। वहीं, निवर्तमान सदर एसडीपीओ धीरज कुमार की अभी कही पोस्टिंग नहीं की गई है। गृह विभाग (आरक्षी शाखा) ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। उनके साथ डीएसपी रैंक के कुल 40 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। माना जा रहा है कि यह तबादला आगामी विस चुनाव के मद्देनजर किया गया है। गौरव पांडेय 53-55 वी बैच के अधिकारी है। बताया जा रहा है कि वे अगले एक-दो दिनों में बक्सर पहुंच योगदान कर लेंगे। बता दें कि इसके पहले धीरज कुमार सदर के एसडीपीओ थे। हालांकि, उनकी अभी नई पोस्टिं की जानकारी नहीं मिली है।

बुजुर्ग कलाकारों को मिलेगा सम्मान व सहारा, शुरू हुई सीएम कलाकार पेंशन योजना, करें आवेदन

बक्सर। राज्य के उन वरिष्ठ कलाकारों के जीवन में उम्मीद की एक नई किरण जगाई है, जिन्होंने कला, संस्कृति और परंपरा को संजोने में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, पटना द्वारा मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना की शुरूआत की गई है, जिसका मकसद बुजुर्ग, उपेक्षित एवं आर्थिक रूप से कमजोर कलाकारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत ऐसे कलाकारों को पेंशन दी जाएगी, जिन्होंने कला के क्षेत्र में वर्षों तक सक्रिय योगदान दिया हो, परंतु आज वृद्धावस्था में जीवनयापन के लिए किसी सहारे की जरूरत महसूस कर रहे हैं। यह पहल सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। आवेदक की उम्र 50 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। वह बिहार का स्थायी निवासी हो। कला के क्षेत्र में कम से कम 10 वर्षों का अनुभव आवश्यक है। उसकी वार्षिक आय एक लाख 20 हजार से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक किसी सरकारी सेवा में नहीं होना चाहिए विभागीय कलाकार पंजीयन पोर्टल पर पंजीकरण करना है अनिवार्य इच्छुक आवेदकों को विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप में ही आवेदन करना होगा। यह प्रपत्र एवं विस्तृत दिशा-निर्देश विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सभी जरूरी प्रमाण-पत्रों सहित आवेदन-पत्र को संबंधित डीएम के समक्ष जमा करना होगा। जिला के कला संस्कृति एवं युवा पदाधिकारी ने बताया कि जिले के योग्य कलाकार इस योजना का लाभ उठाकर वृद्धावस्था में राहत प्राप्त कर सकते हैं।

बक्सर नप के सफाई कर्मियों ने उठाई न्यूनतम मजदूरी और अधिकारों की मांग

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर नगर परिषद में कार्यरत सफाई कर्मियों ने शुक्रवार को अपनी आठ सूत्री मांगों को लेकर कार्यपालक पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सफाई कर्मियों का आरोप है कि सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम मजदूरी दर तक उन्हें नहीं मिल रही है, जबकि एक समान कार्य के लिए अलग-अलग मजदूरी दी जाती है।

कर्मियों ने बताया कि पीएफ और ईएसआई की राशि वेतन से तो काटी जाती है, लेकिन उसकी जानकारी या रसीद नहीं दी जाती। वहीं, मासिक वेतन भी समय पर नहीं मिलता। मेडिकल सुविधा नदारद है, और सवाल उठाने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। सफाई कर्मियों ने महंगाई के मद्देनजर 600 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी की मांग की है और पीएफ व ईएसआई की राशि नियमित रूप से खाते में जमा कराने की मांग की है। इस मौके पर सफाई कर्मियों के नेता संजय शर्मा ने कहा कि सरकार अगर न्यूनतम मजदूरी नहीं देती, तो यह साफ दशार्ता है कि वह मजदूरों को गुलाम बनाना चाहती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो मजदूर सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सफाई के नाम पर हर महीने 1.15 करोड़ रुपये आते हैं, तो फिर मजदूरों को उनके हक से क्यों वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने नगर परिषद के निर्वाचित प्रतिनिधियों से अपील की कि वे मजदूरों को सम्मानजनक मेहनताना दिलाने के लिए गंभीर प्रयास करें। ज्ञापन सौंपने वालों में लखन कुमार, मुकेश कुमार, कुसुम बसफोर, गीता देवी, सागर बसफोर समेत दर्जनों सफाई कर्मी शामिल रहे।

ट्रैक्टर के रौंदने से मोपेड सवार राजमिस्त्री की मौत

केटी न्यूज/डुमरांव

एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर के रौंदने से मोपेड (विक्की बाइक) सवार एक राजमिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि मोपेड के पीछे बैठा उसका हेल्पर इस हादसे में बाल-बाल बच गया। उसे मामूली चोटे आई है।

घटना शुक्रवार की शाम करीब 3.30 बजे कोरानसराय थाना क्षेत्र के कोरानसराय-नारायणपुर मुख्य मार्ग पर हरनी चट्टी गांव के समीप की है। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद टैज्क्टर चालक अपना वाहन छोड़ फरार हो गया। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची कोरानसराय पुलिस ने शव को कब्जे में ले पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दी, जबकि दुर्घटना को अंजाम देने वाली ट्रैक्टर तथा दुर्घटनाग्रस्त मोपेड बाइक को जब्त कर थाने लाई। पुलिस टैज्क्टर के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर चालक की पहचान के प्रयास में जुट गई है। मृतक की पहचान इटाढ़ी थाना क्षेत्र के चांदू डिहरा गांव निवासी 45 वर्षीय अशोक प्रसाद पिता विंध्याचल प्रसाद के रूप में हुई है। जबकि जख्मी की शिनाख्त उसी गांव के जग नारायण पासवान के 39 वर्षीय पुत्र पप्पू पासवान के रूप में हुई है। उसके बाइक पर प्लास्टिक का एक झोला मिला, जिसमें करनी, बसूली तथा साहूल-सूत्र आदि था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मृतक राजमिस्त्री का काम करता था। मिली जानकारी के अनुसार दोनों कमधरपुर गांव में एक मकान निर्माण का काम कर वापस गांव लौट रहे थे। जैसे ही वे अपने मोपेड बाइक से हरनी चट्टी से इटाढ़ी की तरफ जा रहे थे कि इसी दौरान अचानक खेत की जुताई करने के बाद एक टैज्क्टर चालक तेज रफ्तार से सड़क पर आ गया। इस दौरान किसी को कुछ समझ में नहीं आया तथा मोपेड चालक को ब्रेक लगाने तक का समय नहीं मिला, उसकी मोपेट ट्रैक्टर के आगे वाले दोनों चक्के के बीच जा घुसी तथा ट्रैक्टर उसे रौंदते हुए निकल गई, जबकि टक्कर से पीछे बैठा उसका हेल्पर सड़क के दूसरे छोर पर जा गिरा, जिससे उसकी जान बच गई। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी कायम हो गई, जिसका फायदा उठा ट्रैक्टर चालक भागने में सफल रहा।

लोक शिकायत निवारण से लाभुक को मिला राहत

डुमरांव। नावानगर प्रखंड अंतर्गत रूपसागर गांव निवासी मोहन पाण्डेय, पिता गौरी शंकर पाण्डेय को नल-जल योजना से जुड़े कार्य का भुगतान नहीं मिल रहा था। लगातार प्रयासों के बावजूद जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो उन्होंने जिला लोक शिकायत निवारण कार्यालय, बक्सर में अपील दायर की। अपील में परिवादी ने स्पष्ट किया कि नल-जल कार्य पूर्ण करने के बावजूद 1,51,311 की राशि लंबित है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरांव 29 pm

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
■ विशाल और सुसज्जित हॉल
■ आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
■ ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
■ बड़ा पार्किंग एरिया
■ 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
■ साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
■ बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
■ हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

रूद्र सागर सेवा संस्थान के द्वारा आयोजित किया गया था कार्यक्रम

जंगलीनाथ शिव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार संग हुआ भव्य सामूहिक रुद्राभिषेक

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध जंगलीनाथ शिव मंदिर प्रांगण में शुक्रवार को भक्तिभाव से ओतप्रोत वातावरण में सामूहिक रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। रुद्र सागर सेवा संस्थान के बैनर तले आयोजित इस आयोजन में 251 दंपति जोड़ों ने भाग लेकर विधिपूर्वक भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया और अपने जीवन में सुख-शांति, समृद्धि एवं सद्गति की कामना की। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और पूजन विधि के साथ हुई। मुख्य आचार्य विंध्याचल ओझा के नेतृत्व में अनुभवी आचार्य मंडली ने पूरे विधि-विधान से रुद्राभिषेक की प्रक्रिया को संपन्न कराया। मंडली में पंडित संजीव मिश्र, बलिराम उपाध्याय, अरुण चौबे, शशि तिवारी, रोहित ओझा सहित अन्य वैदिक ब्राह्मण शामिल रहे जिन्होंने एक सुर में मंत्रोच्चार कर संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। रुद्र सागर सेवा संस्थान के सचिव रवि शंकर चौबे की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ दूर-दराज से आए भक्तों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। श्रद्धालु जल, दूध, दही, घी, शहद और बेलपत्र आदि के साथ शिवलिंग पर अर्पण कर रुद्राभिषेक करते दिखे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के सदस्यों एवं स्थानीय समाजसेवियों की भूमिका भी सराहनीय रही। व्यवस्थापक राजेश सैनी, रिंटू चौबे, डबलू चौबे, वार्ड 18 के पार्षद प्रतिनिधि रितेश कुमार सिंह उर्फ भूटेली सिंह, कुंदन सिंह, रविशंकर पाठक, राकेश पाठक, अरुण वर्मा, विशाल चौबे, सोनू ओझा, शिबू दूबे, अजीत पांडेय सहित अनेक लोगों ने पूरे समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। विशेष बात यह रही कि यह आयोजन पूर्णतः निःशुल्क था। संस्थान द्वारा सभी श्रद्धालुओं के लिए जलपान और भंडारे की उत्तम व्यवस्था की गई थी। पूजन के पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद ग्रहण कराया गया। भंडारे में शामिल लोगों ने भोजन की गुणवत्ता और सेवा भाव की सराहना की। मंदिर परिसर दिन भर श्रद्धालुओं से गुलजार रहा। चारों ओर हर-हर महादेव और ऊं नमः शिवाय के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा। भक्तों में विशेष उत्साह एवं आध्यात्मिक उन्नति का भाव देखने को मिला।

संक्षिप्त समाचार

चतरा के नावाटांड में हाथियों का कहर

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के टंडवा प्रखंड

अंतर्गत राहम पंचायत के नावाटांड गांव में बुधवार देर रात हाथियों के एक झुंड ने भारी तबाही मचाई। करीब 10 हाथियों का झुंड देर रात गांव में घुस आया और करीब एक घंटे तक उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों ने कई घरों को नुकसान पहुंचाया और खेतों में खड़ी फसलों को रौंद डाला। गांव में दहशत का माहौल है और लोग पूरी रात भयभीत रहे। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों का झुंड बुधवार रात करीब 1 बजे गांव में दाखिल हुआ। सबसे पहले उन्होंने घरों को निशाना बनाना शुरू किया। कई कच्चे और पक्के मकानों की दीवारें तोड़ दी गईं और खिड़कियों को भी नुकसान पहुंचा। एक घर की खिड़की तोड़कर हाथी भीतर घुसने ही वाला था, लेकिन गनीमत रही कि समय रहते घरवालों की नींद खुल गई और वे शोर मचाकर किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे। ग्रामीणों ने मशाल जलाकर और शोर मचाकर हाथियों को गांव से बाहर खदेड़ा। हालांकि, ग्रामीणों में अब भी भय का माहौल बना हुआ है कि कहीं हाथियों का झुंड दोबारा न लौट आए। हाथियों ने घरों में रखा अनाज खा लिया और खेतों में लगी मक्का, धान जैसी फसलों को भी बर्बाद कर दिया। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। हाथियों के हमले के बाद ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को घटना की जानकारी दी है। लोगों की मांग है कि वन विभाग प्रभावित परिवारों को मुआवजा दे और हाथियों को गांव से दूर रखने की ठोस व्यवस्था करे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब गांव में हाथियों ने उत्पात मचाया हो। अक्सर जंगली हाथियों का झुंड भोजन की तलाश में रिहायशी इलाकों में घुस आता है। इससे न केवल संपत्ति का नुकसान होता है, बल्कि जान का भी खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने वन विभाग से अपील की है कि हाथियों के हमले से स्थायी समाधान निकाला जाए।

जामताड़ा पर से हटेगा अपराध का कलंक

जामताड़ा, एजेंसी। जिले को साइबर अपराध मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने 72 साइबर सिक्योरिटी क्लब बनाने का फैसला लिया है। जहां साइबर योद्धा लोगों को जागरूक करेंगे और स्कूली बच्चों को साइबर से कैसे बचे, बताने और जागरूक करने का काम करेंगे। इसके लिए 72 मास्टर ट्रेनर तैयार किए जा रहे हैं। साइबर अपराध के लिए जामताड़ा हब माना जाता है। पूरे देश में साइबर अपराधियों के लिए जामताड़ा बदनाम है। इस बदनामी के दाग को मिटाने के लिए जामताड़ा जिला प्रशासन ने 72 साइबर सिक्योरिटी क्लब खोलने का फैसला किया है, जहां मास्टर ट्रेनर साइबर योद्धा के रूप में स्कूली बच्चों और लोगों को साइबर अपराध से बचाव के सिए जागरूक करेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी शुरू कर दी है। पूरे देश में साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में काम कर रही आईएसईए संस्था को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिसके पदाधिकारी मास्टर ट्रेनर तैयार कर 72 साइबर सिक्योरिटी क्लब के द्वारा जागरूकता फैलाने का काम करेंगे। तकनीकी और डिजिटल युग में किस तरह साइबर अपराध से बचा जा सके इसके लिये संस्था स्कूली बच्चों को भी प्रशिक्षण देकर जागरूक करेगी। साइबर सिक्योरिटी क्लब किस तरह जागरूक करेगी, कैसे काम करेगी इसके बारे में जानकारी देते हुए जामताड़ा के उपायुक्त रवि आनंद ने बताया कि साइबर सिक्योरिटी क्लब खोलने का मुख्य उद्देश्य जामताड़ा से साइबर अपराध को समाप्त करना है और जिला जो इसके लिए बदनाम है उस बदनामी के दाग को मिटाना है। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी क्लब के माध्यम से बेहतर ट्रेनर तैयार किये जा रहे हैं जो क्लब में प्रशिक्षण देकर लोगों को जागरूक करेंगे। आईएसईए संस्था के पदाधिकारी ने बताया कि वो साइबर अपराध के क्षेत्र में जागरूकता को लेकर पूरे देश भर में काम कर रहे हैं। इसी को लेकर जामताड़ा में 72 साइबर सिक्योरिटी क्लब खोलकर प्रशिक्षण देकर लोगों को जागरूक करने का काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जामताड़ा साइबर हब है। जो देश भर में बदनाम है और प्रशिक्षण देकर इसमें काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है जो काफी चुनौतीपूर्ण है।

कलेक्टर के लिए नहीं रोका जाता ट्रैफिक

रांची, एजेंसी। भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि पर 9 जून को रांची में एक फर्जी वीडियो तेजी से वायरल हुआ. फर्जी वायरल वीडियो में बताया गया कि बारिश के बावजूद रांची डीसी (कलेक्टर) की गाड़ी (काफिला) पार कराने के लिए ट्रैफिक को रोक दिया गया था. वाहन चालक बारिश में भींग रहे थे. इससे वे भड़क गए और ट्रैफिक पर तैनात पुलिस अधिकारी से भिड़ गए. दोनों के बीच काफी बहस हुई. एक मिनट चार सेकंड के इस फर्जी वीडियो पर रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने सोशल मीडिया पर एक्स पर टिप्पणी की है. उन्होंने कहा है कि कलेक्टर के लिए ट्रैफिक नहीं रोका जाता। एक फर्जी वायरल वीडियो पर रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा है कि इस तथाकथित वीडियो में कलेक्टर नहीं हैं, ना ही कलेक्टर की गाड़ी है. कलेक्टर के लिए ट्रैफिक नहीं रोका जाता है. अन्य कोई वीडियो को दर्शाते हुए गलत तथ्यों को कृपया पेश नहीं करें. आम नागरिकों में भ्रम की स्थिति पैदा नहीं करें।

चक्रधरपुर रेल मंडल में फिर रेल हादसे का बना नया रिकॉर्ड

एक मालगाड़ी दो बार हुई दुर्घटनाग्रस्त

चक्रधरपुर, एजेंसी। चक्रधरपुर रेल मंडल में रेल हादसों का दौर थमता नजर नहीं आ रहा है। आए दिन रेल हादसों की खबर अखबारों में सुर्खियां बटोर रही है, लेकिन जिम्मेदार लोग इसे रोकने में नाकाम हैं। ताजा मामले में चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले मुर्गा महादेव स्टेशन यार्ड में गुरुवार की दोपहर दो बजे के करीब एन/सीबीएसपी नामक मालगाड़ी जो देवझर साइडिंग से आयरन ओर लोड कर जा रही थी वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

सबसे चिंता का विषय यह है की दुर्घटना के बाद आधी सुरक्षित मालगाड़ी को ले जा रही ट्रेन भी देवझर स्टेशन के समीप हादसे का शिकार हो गई। देवझर में मालगाड़ी के दो वैगन पटरी से उतरकर पलट गयी। यानि की एक दिन में एक मालगाड़ी चंद घंटे के अंदर दो जगह रेल हादसे का शिकार हुई। इस घटना के बाद ट्रेनों का परिचालन चार घंटे तक ठप रहा। मुर्गा महादेव स्टेशन यार्ड के समीप आयरन ओर लदी हुई मालगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतरकर पलट गया। घटना के बाद चक्रधरपुर रेल मंडल मुख्यालय के ट्रेन कंट्रोल रूम से चार हूटर बजाया गया। इसके बाद चक्रधरपुर से और डांगुवापोसी से घटना स्थल की ओर 140 टन क्रेन के साथ एक्सीडेंट रिलीफ वेन के रेलकर्मी घटना स्थल की ओर रवाना हुए। वहीं, चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम तरुण हुरिया रेल अधिकारियों के संग स्पीक नामक निरीक्षण स्पेशल ट्रेन से घटना स्थल पहुंचे। डीआरएम के संग एडीआरएम इंफ्रा, सीनियर डीसीएम, सीनियर डीएमई, सीनियर डीएसओ, डीएसटीई, डीईईजी सहित अन्य रेल अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य का अवलोकन किया।

हादसे के बाद मुर्गा महादेव में मेन लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई। इसके बाद डाउन लाइन में शाम 06:25 बजे परिचालन शुरू किया गया, लेकिन इसके कुछ ही देर बाद देवझर में उसी मालगाड़ी का पिछला हिस्सा वापस ले जाते समय फिर से रेल हादसे का शिकार हुई। इस बार मालगाड़ी के दो वैगन पटरी से उतरकर पलट गयी और इससे ओएचई तार और खंबे को भी नुकसान पहुंचा।

जिसके कारण दोनों मेन लाइन पर शाम सात बजे ट्रेनों पुरी तरह से ठप पड़ गया। दो-दो बार मालगाड़ी कैसे दुर्घटनाग्रस्त हुई है इसका पता नहीं चल पाया है। लेकिन इस मामले को लेकर जांच के भी आदेश दे दिए गए है। मालगाड़ी के दुर्घटना ग्रस्त होने से डाउन रेल लाइन में ट्रेनों का परिचालन दोपहर 02:20 बजे से शाम 06:30 बजे तक ठप रहा। इसी दौरान ट्रेन नंबर 20891 टाटानगर ब्रह्मपुर वंदे भारत एक्सप्रेस दो घंटे और ट्रेन नंबर 18416 पुरी बड़बील एक्सप्रेस तीन घंटे तक मुर्गा महादेव रोड स्टेशन में खड़ी रही। वंदे भारत एक्सप्रेस मुर्गा महादेव रोड स्टेशन में दोपहर 04:27 बजे से लेकर शाम 06: 32 बजे तक खड़ी रही, जबकि पुरी बड़बील एक्सप्रेस दोपहर 02 बजे से लेकर 05:50 बजे तक खड़ी रही। एक रेल लाइन के क्लियर होने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस और इंटरसिटी एक्सप्रेस गंतव्य के लिए रवाना हुई।

चक्रधरपुर रेल मंडल में लगातार हो रहे ट्रेन दुर्घटना को लेकर मंडल में सुरक्षित ट्रेन परिचालन पर कई सवाल खड़े हो रहे है। आये दिन मंडल के विभिन्न रेल खंडो से ट्रेन हादसे की खबर सुर्खियों बन रही है। हादसे के बाद जांच के भी आदेश दिए जा रहे हैं, लेकिन मंडल में ट्रेन हादसे रुक नहीं रहे है। जानकार बताते हैं की चक्रधरपुर रेल मंडल में मालगाड़ियों के परिचालन का इतना भारी दबाव है कि सुरक्षा को भी ताक पर रखकर ट्रेन परिचालन को अधिकारी से लेकर कर्मचारी मजबूर है।

एमबीबीएस में नामांकन के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू

26 जुलाई तक होगा ऑनलाइन आवेदन

रांची, एजेंसी। राज्य के सरकारी एवं गैर सरकारी मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस में नामांकन के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद ने स्वास्थ्य विभाग की अनुशंसा पर काउंसिलिंग के विभिन्न चरणों की तिथियां घोषित कर दी हैं।

एमबीबीएस में नामांकन के लिए नीट-यूजी के प्राप्तांकों के आधार पर राज्य मेधा तैयार होगी, जिसके अनुसार अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित की जाएगी। इसके माध्यम से एमबीबीएस, बीडीएस तथा बीएचएमएस में नामांकन होगा। पर्षद द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, नीट-यूजी उत्तीर्ण अभ्यर्थी राज्य मेधा सूची में सम्मिलित होने के लिए 26 जुलाई तक पर्षद के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करेंगे। इसकी अंतिम तिथि 26 जुलाई निर्धारित की गई है। 27 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन में किसी प्रकार का संशोधन होगा। राज्य मेधा सूची का प्रकाशन 29 जुलाई को किया जाएगा। इसके बाद 30 जुलाई से पहली काउंसिलिंग शुरू होगी। पहली काउंसिलिंग के बाद रिक्त रह जाने वाली सीटों को भरने के लिए 11 अगस्त से दूसरी काउंसिलिंग शुरू होगी।

काउंसिलिंग में सम्मिलित होनेवाले अभ्यर्थियों को निर्धारित सुरक्षा राशि जमा करनी होगी। सरकारी मेडिकल कालेजों के लिए यह राशि 20 हजार (एससी, एसटी, ओबीसी तथा दिव्यांग के लिए 10 हजार रुपये) रुपये है। निजी संस्थानों के मामले में एमबीबीएस के लिए यह राशि दो लाख तथा बीडीएस के लिए एक लाख रुपये है। दूसरी काउंसिलिंग के बाद नामांकन नहीं लेने पर यह राशि जब्त हो जाएगी। नामांकन लेने पर यह राशि वापस हो जाएगी।

रांची में बड़ा हादसा

भर-भराकर गिरी स्कूल की छत, एक की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया. सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के पिस्का मोड़ के पास अचानक एक स्कूल की छत गिर गयी. मलबे में दबने से एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गयी. जबकि एक या दो लोग अभी भी मलबे में दबे हुए हैं. घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है. मौके पर सुखदेवनगर थाना पुलिस पहुंची है.घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार आज शुक्रवार की सुबह स्कूल के पास कई लोग खड़े थे, तभी अचानक स्कूल की छत भर-भराकर गिर गयी. मलबे में दबने से एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गयी. जबकि कुछ लोग मलबे में फंसे हुए हैं. कुछ लोगों का कहना है कि बुजुर्ग स्कूल के अंदर सो रहे थे।

पलामू में दुकानदार की सड़क हादसे में मौत, दुकान बंद कर घर लौट रहे युवक को बाइक ने मारी टक्कर

पलामू, एजेंसी। पलामू के पाटन थाना क्षेत्र के किशनपुर गांव में एक दुकानदार की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक की पहचान रजहरा गांव निवासी 28 वर्षीय मोहम्मद गुलाम वारिस के रूप में हुई है। वारिस किशनपुर में श्रृंगार स्टोर चलाता था। गुरुवार की रात को दुकान बंद करने के बाद वह एक ठेले के पास खड़ा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

दुर्घटना में शामिल वाहन जब्त - स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत उसे मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पाटन थाना पुलिस ने दुर्घटना में शामिल वाहन को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। घटना के बाद से परिजनों की हालत बेहद दुखद है।

गिरिडीह-बिरनी मुख्य मार्ग पर ट्रक से टकराई बाइक

सिरसिया के होम्योपैथिक डॉक्टर की मौत

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह-बिरनी मुख्य मार्ग पर बाघमारा के पास गुरुवार दोपहर एक सड़क हादसे में सिरसिया के होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. अभिषेक भारद्वाज की मौत हो गई। बाइक से जा रहे डॉ. भारद्वाज को एक तेज रफ्तार मालवाहक ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर पिटाई कर दी घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने चालक को भीड़ से बचाकर हिरासत में लिया और ट्रक को जब्त कर लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, डॉ. अभिषेक क्षेत्र के लोकप्रिय और सेवाभावी चिकित्सक थे। उनकी मौत से इलाके में शोक की लहर है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से दुर्घटनास्थल पर ट्रैफिक नियंत्रण की उचित व्यवस्था की मांग की है। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे।

निकाय चुनाव को लेकर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग कर रहा ट्रिपल टेस्ट, अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने की संभावना

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड में जल्द से जल्द निकाय चुनाव कराने की तैयारी चल रही है। हजारीबाग पहुंचे राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी यादव ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया चल रही है। हजारीबाग में एक उच्चस्तरीय बैठक भी हुई। साथ ही 5 वार्डों का भौतिक सत्यापन भी हो चुका है। उन्होंने बताया कि बीएलओ द्वारा सूची जारी कर दी गई है और उसकी जांच की जा रही है। जिसमें जाति वर्ग समेत सभी बिंदुओं पर गौर किया जा रहा है। आयोग बहुत जल्द चुनाव आयोग को रिपोर्ट सौंपेगा। इस बार चुनाव में ओबीसी वर्ग को आरक्षण मिलना है। इस कारण रिपोर्ट काफी महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि राज्य में अक्टूबर-नवंबर तक निकाय चुनाव संपन्न हो जाएंगे।

जानकी यादव ने कहा कि हेमंत सरकार की मंशा साफ है कि वह विकास योजना को धरातल पर उतारे, इसलिए निकाय चुनाव काफी महत्वपूर्ण हैं। चुनाव संपन्न नहीं होने से विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 15 दौरे चल रहे हैं। जिसमें 15 जिलों में इस संबंध में बैठक भी की जाएगी और भौतिक जानकारी ली जाएगी। दरअसल, हजारीबाग में झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

जमशेदपुर में बढ़ रहे डेंगू के मरीज

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर में डेंगू ने एक बार फिर दस्तक दे दी है। गुरुवार को एमजीएम मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट में पांच लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है, जबकि सात अन्य संदिग्ध मरीजों की पहचान की गई है।

इस सीजन में अब तक कुल 14 डेंगू मरीज सामने आ चुके हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा है और निर्देश दिया है कि जैसे ही डेंगू संदिग्ध मरीज सामने आएं, उसकी तत्काल सूचना विभाग को दें।

रिपोर्ट के अनुसार, जिन पांच मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है, उनमें से चार छोटा गोविंदपुर के शेषनगर और बालाजी नगर के निवासी हैं, जबकि एक बिरसानगर क्षेत्र से है। सभी का इलाज टाटा मोटर्स अस्पताल और मानगो के गुरुनानक अस्पताल में चल रहा है। सात संदिग्ध मरीजों के नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं। 2023 में डेंगू का जबरदस्त विस्फोट हुआ था, जिसके मुकाबले इस वर्ष अभी तक संख्या कम है, लेकिन लगातार बढ़ते मामलों ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

स्थानीय लोगों में विभाग की लापरवाही को लेकर नाराजगी है। जिला परिषद सदस्य डॉ. परितोष सिंह ने खुद गोविंदपुर क्षेत्र में एंटी लार्वा छिड़काव अभियान शुरू करवाया। उन्होंने कहा कि हर साल यही क्षेत्र डेंगू का केंद्र बनता है। जलजमाव, गंदगी और साफ-सफाई की कमी बनी रहती है। बावजूद इसके विभाग समय रहते सक्रिय नहीं होता। जब मरीज बढ़ने लगते हैं, तब खानापूर्ति शुरू होती है। यह सब %आग लगने पर कुआं खोदने% जैसा है। डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो एडीज एजिप्टाई नामक मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर दिन में काटता है और साफ पानी में पनपता है, जैसे कूलर, गमले, टायर आदि।

वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. आरएल अग्रवाल ने बताया कि डेंगू का कोई विशेष एंटीवायरल इलाज नहीं है। मरीज को भरपूर आराम, तरल पदार्थ और पैरासिटामोल दी जाती है। एस्पिरिन और ब्रूफेन जैसी दवाएं नहीं लेनी चाहिए। प्लेटलेट्स की सतर्क निगरानी जरूरी है। गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती अनिवार्य है।

10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चढ़ाया जल, 6 दिन में करोड़ों की आय

रांची, एजेंसी। राजकीय श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है. अब तक 10 लाख से अधिक शिव भक्तों ने जलार्पण किया है. रोजाना 1 लाख से अधिक श्रद्धालु जलार्पण करने पहुंच रहे हैं. इधर अब सावन का दूसरा सोमवार आने वाला है. प्रशासन सोमवारी की तैयारियों में जुट गया है। इस साल सावन में पिछले छह दिनों में 10 लाख 5 हजार 561 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलार्पण किया. मेले में बाबा मंदिर की आय 67 लाख पार हो गयी है. दूसरी ओर बाबा मंदिर सहित विभिन्न विभागों की राजस्व वसूली के आंकड़े देखें, तो इस बार छह दिनों में प्रशासन की आय 4.15 करोड़ पार हो गयी है.

बाबा मंदिर को सर्वाधिक आय शीघ्रदर्शनम से प्राप्त हुई है. पिछले छह दिनों में 14,958 श्रद्धालुओं ने शीघ्रदर्शनम की सुविधा का लाभ उठाया. यह जानकारी डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने

गुरुवार को आरएल सर्राफ स्कूल परिसर में मीडिया सेंटर में प्रेस कांफ्रेंस में दी. उन्होंने जानकारी दी कि इस बार श्रावणी मेला में राज्य संयुक्त कर से अभी तक 2 करोड़ 54 लाख 40 हजार आय हुई है. इसमें सर्वाधिक आय एसजीएसटी दो करोड़ से अधिक हुई है।

स्कूली बच्चों से मिलीं कल्पना सोरेन, कहा - सफलता का शॉर्टकट नहीं

गिरिडीह, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन क्षेत्र के दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने बेंगाबाद में विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने यहां कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस दौरान विधायक ने महिलाओं को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि झारखंड की महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। समूह से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। महिलाएं आटा चक्की चला रही हैं। तैयार आटे की मार्केटिंग कर अच्छी आय अर्जित कर रही हैं। राज्य की हेमंत सरकार महिलाओं को आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर दे रही है। समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ ऋण की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जा रही है ताकि वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें। कहा कि आधी आबादी को आगे बढ़ाने का सपना साकार होता दिख रहा है। यहां की समूह की महिलाओं की कार्यप्रणाली और स्वरूप को दूसरे राज्यों में अपनाया जा रहा है।

छात्रों से की बातचीत कल्पना सोरेन गुरुवार को बेंगाबाद प्लस टू उच्च विद्यालय पहुंचीं। यहां छात्राओं ने विधायक कल्पना का स्वागत किया। यहां स्कूली छात्राओं ने अपनी कला से तैयार एक चित्र कल्पना सोरेन को भेंट किया। पेंसिल से उकेरी गई कल्पना सोरेन की तस्वीर देखकर विधायक काफी प्रभावित हुईं। यहां कल्पना सोरेन ने छात्राओं से बातचीत की। कल्पना सोरेन ने बच्चों के साथ पढ़ाई के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि सफलता का रास्ता कभी

शॉर्टकट नहीं होता। अनुशासन, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की ओर ले जाता है। ईमानदार प्रयास ही तरक्की की ओर ले जाते हैं।

बच्चों ने विधायक कल्पना सोरेन से खुलकर बातचीत की और कई सवाल भी पूछे, जिनका जवाब उन्होंने बेहद सहजता से दिया। स्कूली छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्कूलों को बेहतर बनाने के साथ-साथ बेहतर शिक्षा व्यवस्था बहाल कर रही है।

हेमंत सोरेन सरकार ने सीएम एक्सीलेंस स्कूल की स्थापना की है जहाँ सीबीएसई पैटर्न पर पढ़ाई हो रही है। प्रेरणा सत्र के बाद, स्कूल प्रबंधन के अनुरोध पर उन्होंने स्कूल के लैब, कक्षा-कक्ष, पुस्तकालय और अन्य कमरों का निरीक्षण किया और शिक्षकों व छात्राओं से जानकारी ली।

इन कार्यक्रमों में भी रहीं शामिल- यहां कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कर्णपुरा और चपुआडीह पंचायत सचिवालय में महिला समूह की महिलाओं के बीच बैंक से प्राप्त दो करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की। कर्णपुरा में उन्होंने महिला समूह द्वारा संचालित आटा चक्की का उद्घाटन किया। इसके बाद विधायक कर्णपुरा में बनने वाले मिनी स्टेडियम के स्थल पर पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपायुक्त रामनिवास यादव से भी आवश्यक जानकारी ली।

विधायक ने महुआर में बन रहे महिला कॉलेज का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ठेकेदार और अधिकारियों को काम में तेजी लाने को कहा। कहा कि समय सीमा के अंदर इसे पूरा करें ताकि महिलाओं को डिग्री की पढ़ाई करने में कोई परेशानी न हो। इस दौरान एसपी डॉ। विमल कुमार, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष सह झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह, डीडीसी स्मृति कुमारी, डीएसई वसीम अहमद के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी और स्कूल के शिक्षक भी मौजूद थे।

सुभाषितम्

सफलता की खुशी मानना अच्छा है पर उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना। - बिल गेट्स

वैध सूदखोरी बना फांसी का फंदा

कर्ज से कई गुना ब्याज एवं सूदखोरी के कारण भारत में हर साल हजारों की संख्या में आत्महत्या की घटनाएं सामने आ रहे हैं। सरकार ने सूदखोरी से लोगों को बचाने के लिए बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। बैंकों से गरीबों एवं मध्यम वर्ग को ऋण दिलवाने का काम किया। साहूकारों के चंगुल से आम आदमियों को छुड़ाकर कानूनी बैंकिंग सिस्टम को विकसित किया, ताकि सूदखोरी के असीमित ब्याज और सूदखोरों की दादागिरी से आम लोगों को बचाया जा सके। अब देखने में आ रहा है राष्ट्रीयकृत बैंकों, निजी बैंकों एवं एनएफसी कंपनीयों द्वारा आम लोगों को जो ऋण मुहैया कराया जा रहा है। जिस तरह के नियम और कानून बनाए गए हैं, समय-समय पर जो बदलाव किया जा रहा है। उन्होंने पुराने सूदखोरों को भी मात कर दिया है। सरकारी बैंकों और निजी बैंकों के अलावा एनएफसी कंपनियों से जो ऋण आम जनता ले रही है। उनसे जिस तरह का ब्याज को मूलधन में जोड़कर चक्रवृद्धि ब्याज वसूला जा रहा है। मूलधन और ब्याज नहीं दिए जाने पर जिस तरह से किसानों और गरीब आदमियों की कुर्की के जरिए ऋण की वसूली की जाती है। 2004 के बाद से बैंकों, सहकारी समितियों, ग्रामीण बैंकों और नॉन बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर ऋण दिया जा रहा है। ऋण की समय पर अदायगी नहीं होने के कारण बैंकों, सहकारी समितियों और एनएफसी कंपनियों द्वारा जिस तरह से मूलधन पर ब्याज, दंड ब्याज, जुर्मानों तथा तरह-तरह की शुल्क जोड़कर चक्रवृद्धि ब्याज लगाकर वसूल कर रहे हैं। सरकारी बैंकों का ऋण 4 साल के अंदर 2 गुना से ज्यादा हो जाता है। एनएफसी कंपनी जो ऋण देती हैं उसमें 36 फीसदी तक ब्याज वसूल किया जा रहा है। ऋण की वसूली के लिए बाउंसर लगाए जाते हैं। लोगों के सिर पर कर्ज का बोझ लाद दिया गया है। उनका आय से कई गुना ज्यादा कर्ज आम आदमी ने ले लिया है। जब वह किस्तें नहीं चुका पाते हैं, उनका ऋण कई गुना ज्यादा बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में अब जो दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उसमें लोग आत्महत्या करने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से परिवार सहित आत्महत्या करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। हजारों किसानों द्वारा हर साल कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार जीरो फीसदी ब्याज पर 6 माह के लिए ऋण देती है। एक दिन भी लेट हो जाने पर शुरू दिन से 14 फीसदी ब्याज, दंड ब्याज, जुर्मानों और तरह-तरह के शुल्क लगाकर किसानों के ऊपर कर्ज का बोझ इतना लाद दिया जाता है। जिसे वह नहीं चुका पाता है। उनकी जमीनों को नीलाम किया जा रहा है। भोले भाले किसानों की जमीनें षडयंत्र पूर्वक बहुत कम कीमत पर नीलाम हो जाती हैं। उसके बाद भी उनका कर्ज नहीं उतरता है। कर्ज में फंसे हुए लोग जब बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं का पैसा नहीं चुका पाते हैं। वह सूदखोरों से कर्ज लेकर बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का कर्ज चुकाने का प्रयास करते हैं। जिसके कारण दोहरे कर्ज में फंसकर छोटे-छोटे से बच्चों के बेचने और बंधक रखने के समाचार रोजाना पढ़ने में मिल रहे हैं। कर्ज चुकाने के लिए पत्नियों को गिरवी रखने के समाचार तथा हत्या जैसे समाचार आए दिन समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहे हैं। लोग जरूरत के लिए कम, दिखावे के लिए ज्यादा कर्ज ले रहे हैं। बाजारवाद और भौतिक आवश्यकताएं गरीब से गरीब परिवार के घरों तक तक पहुंच गई हैं। पढ़ाई के लिए शादी के लिए इलाज के लिए खाने पीने के समान के साथ-साथ अब मोबाइल इंटरनेट टीवी फ्रिज मोटरसाइकिल इत्यादि के लिए देखा देखी में कर्ज ज्यादा ले रहे हैं। जिसके कारण और कर्ज नहीं चुका पाते हैं। दबाव के कारण आत्म हत्या कर जीवन समाप्त कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कर्ज के संबंध में कई फैसले पहले भी दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला यह भी है कि मूल से ज्यादा ब्याज वसूल नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इस पुराने फैसले का पालन बैंकों और सहकारी समितियों द्वारा नहीं किया जा रहा है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं: हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

एग्रीगेटर्स को 10 लाख का सावधि बीमा अनिवार्य

- अजय टम्टा

पिछले कुछ सालों में लाखों ड्राइवर ऐप-आधारित टैक्सी सेवाओं से जुड़े हैं। क्योंकि इसमें उन्हें काम करने की आजादी, अनुकूलता और तकनीकी सुविधा मिलती है। हालाँकि बढ़ते कमीशन, अस्पष्ट नीतियों, मनमाने निलंबन और सुरक्षा के अभाव ने इस वादे को कई लोगों के लिए निराशा में बदल दिया। भारत भर में तीन मिलियन से अधिक गिग ड्राइवरों द्वारा अनुभव की गई इन चुनौतियों ने व्यापक और लागू करने योग्य विनियमन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया। इसके जवाब में, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और श्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने पहले ही मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अंतर्गत मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2020 जारी किये थे। इन दिशानिर्देशों ने राज्य सरकारों को एग्रीगेटर्स को लाइसेंस देने और उनकी निगरानी करने का अधिकार देते हुए एक नियामक ढाँचा प्रदान किया, जिससे वाहन-परिचालन उद्योग के विकास को बढ़ावा मिला। ड्राइवरों और यात्रियों दोनों के लिए सुरक्षा, निष्पक्षता और जवाबदेही से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अब मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2025 पेश किया है। ह्यह भारत के डिजिटल मोबिलिटी इकोसिस्टम में संरचना, सुरक्षा और समावेशिता लाने के लिए एक प्रमुख नीतिगत अपडेट है। मोटर वाहन अधिनियम 1988 के कानूनी आधार पर निर्मित इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य ओला, उबर, रैपिडो जैसे ऐप-आधारित कैब एग्रीगेटर्स के संचालन को विनियमित करना है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दिशानिर्देश संवैधानिक कार्यादेशों और न्यायिक निर्देशों के अनुरूप ड्राइवरों और यात्रियों दोनों को संतुलित लाभ प्रदान करने का प्रयास करते हैं। 2025 के दिशानिर्देशों का सबसे उल्लेखनीय पहलू है- ड्राइवरों के हितों की सुरक्षा। अब तक एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म से जुड़े ड्राइवर, अक्सर बहुत कम कमाई, मनमाने ढंग से कार्य से हटाना (ऑफ-बोर्डिंग), बीमा का न होना और अपर्याप्त कानूनी उपायों के साथ अनिश्चित परिस्थितियों में काम करते थे। नए नियम दिशानिर्देश इन प्रणालीगत कमियों को दूर करने का प्रयास करते हैं। दिशानिर्देशों में एग्रीगेटर्स को राज्यों द्वारा अधिसूचित मूल किराए के आधार पर प्रति घंटे या न्यूनतम गारंटीकृत आय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इसमें यह भी अनिवार्य किया गया है कि एग्रीगेटर और ड्राइवर के बीच किराया निपटान, आपसी सहमति से दैनिक, साप्ताहिक या पाक्षिक आधार पर किया जाना चाहिए। इस कदम से हजारों ड्राइवरों को खासकर आय-प्राप्ति वाले समय में, आय में होने वाले उतार-चढ़ाव से निजात मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, सरकार ने अब प्रत्येक एग्रीगेटर को कम से कम 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख रुपए का सावधि बीमा प्रदान करना अनिवार्य कर दिया है। उम्मीद है कि ये सुरक्षा उपाय गिग श्रमिकों को औपचारिक श्रम संरचनाओं के दायरे में लायेंगे। इसके अलावा, नए दिशानिर्देश कमीशन में पारदर्शिता लाते हैं तथा एग्रीगेटर के हिस्से को अधिकांश मामलों में प्रत्येक किराए के 20% तक सीमित करते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है, कि ड्राइवर अपनी आय का एक उचित हिस्सा रख सकेंगे। एग्रीगेटर्स को भुगतान कटौती, किराया विभाजन और जुर्माने के बारे में स्पष्ट और विस्तृत जानकारी भी प्रदान करनी होगी। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि प्रत्येक एग्रीगेटर एक औपचारिक शिकायत निवारण प्रणाली की स्थापना करेगा, जहाँ यात्रा रद्दीकरण, भुगतान विवाद या निलंबन जैसे मुद्दों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान हो सके। ड्राइवरों को समय-समय पर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिसमें ऐप उपयोग, आपातकालीन प्रतिक्रिया, सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, दिव्यांगजन जागरूकता, ग्राहक से बातचीत, डिजिटल साक्षरता आदि विषयों पर आधारित 40 घंटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होगा, ताकि वे भविष्य के यातायात से जुड़ी चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें। यात्रियों के लिए भी ये दिशानिर्देश समान रूप से परिवर्तनकारी हैं। यात्रा सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और किराए में हेरफेर से जुड़ी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए नए दिशानिर्देश सुरक्षा उपाय लेकर आए हैं, जिनकी बहुत आवश्यकता थी। एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म पर सभी ड्राइवरों को अनिवार्य पुलिस सत्यापन, स्वास्थ्य जांच और व्यवहार प्रशिक्षण से गुजरना होगा। इसके अलावा, प्रत्येक वाहन में इन ऐप आपातकालीन बटन, जीपीएस-आधारित निगरानी और यात्राओं को साझा करने की सुविधाएँ होनी चाहिए, जो सभी यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को बढ़ाती हैं। राज्य की निगरानी में एग्रीगेटर्स द्वारा एक 24x7 नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए। यात्रियों के लिए एक और बड़ा लाभ किरायों और विशेष परिस्थितियों में किराये में वृद्धि (सर्ज प्राइसिंग) का नियमन है। दिशानिर्देशों में स्पष्ट सीमाएँ, निर्धारित की गई हैं: राज्य की नीति के आधार पर किराए में वृद्धि की सीमा आधार किराए के 1.5 से 2 गुना तक सीमित की गयी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उच्च माँग के समय यात्रियों का शोषण न हो। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म को किराए का विवरण पारदर्शी रूप से प्रदर्शित करना आवश्यक है, जिसमें आधार किराया, गतिशील शुल्क, एग्रीगेटर का हिस्सा और सरकारी कर शामिल हैं। महत्वपूर्ण रूप से, दिशानिर्देश उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता का भी ध्यान रखते हैं। एग्रीगेटर्स को भारत-स्थित सर्वरों पर उपयोगकर्ता डेटा का संग्रह करने और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम सहित डेटा सुरक्षा रूपरेखा का पालन करने का निर्देश दिया गया है, ताकि डेटा का दुरुपयोग या लीक न होना सुनिश्चित हो सके और भारत की संप्रभु डेटा नीतियों के अनुसार इसे सुरक्षित रखा जा सके। प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत@2047 के विजन, जो समावेशी और सतत विकास पर जोर देता है तथा दिव्यांगजनों के सम्मान और स्वाभिमान को बनाए रखने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के अनुरूप, दिशानिर्देश में इस बात को अनिवार्य किया गया है कि एग्रीगेटर बेड़े का एक हिस्सा दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाएं और कार्यबल में ड्राइवरों के रूप में दिव्यांगजनों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करें। ऐसे वाहनों की संख्या राज्यों द्वारा स्थानीय जरूरतों और आवश्यकताओं के आधार पर निर्धारित की जाएगी। स्थायित्व के लिए एक बड़े प्रयास के तहत, एग्रीगेटर्स को अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, वैकल्पिक ईंधन या शून्य उत्सर्जन वाले वाहनों को शामिल करने की आवश्यकता है। संबंधित वायु नियामक निकाय वाहन-परिचालन प्लेटफार्मों के लिए राज्यवार ईवी लक्ष्य निर्धारित करेंगे, तथा यह भारत के जलवायु और स्वच्छ वायु लक्ष्यों के अनुरूप है। दिल्ली की ह्यदेवीह्न (डीईवीआई) बसें जैसी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियाँ ईवी एकीकरण के उदाहरण हैं, जो पहले से ही मौजूद हैं। ये दिशानिर्देश राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों, विशेष रूप से अनुच्छेद 39 के अनुरूप हैं, जो राज्य को निर्देश देता है कि गिग श्रमिकों सहित नागरिकों के लिए आजीविका के पर्याप्त साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, संविधान के अनुच्छेद 21, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है, की न्यायालयों द्वारा की गयी व्याख्या में सुरक्षित कार्य वातावरण के अधिकार और सम्मान के साथ आवागमन के अधिकार को शामिल किया गया है। कई न्यायिक निर्णयों ने यात्रा वाहन परिचालन क्षेत्र में उचित नियमन की आवश्यकता पर बल दिया है। पीपुल्स यूनियन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स बनाम भारत संघ (1982) और ओल्गा टेलिस बनाम बॉम्बे नगर निगम (1985) में, सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 2 के एक अभिन्न अंग के रूप में आजीविका के अधिकार पर जोर दिया।

चीन के पास जाना देशहित में नहीं है

- संजय गोस्वामी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (रउड) में सोमवार 15 जुलाई को 5साल बाद जाना देश के लिए शर्म की बात है चीन में रहते हुए, जयशंकर मंगलवार को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने से देश के प्रति स्नेह नहीं व्यापार हेतु जाना ठीक नहीं था उन्होंने ऐ भी कहा कि पिछले नौ महीनों में भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में अच्छी प्रगति हुई है, और उन्होंने सीमा पर तनाव के समाधान का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। हालाँकि, उन्होंने सीमा से जुड़े अन्य पहलुओं, जिनमें तनाव कम करना भी शामिल है, पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पाकिस्तान का ही नहीं बल्कि अब दूसरा दुश्मन देश बांग्लादेश का भी मित्र देश है चीन भारत का दोस्त नहीं दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर में खुल कर पाकिस्तान को घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत को नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर में आतंकवादी को भेज रहा है और इन आतंकवादी को चीन हीं हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत को वहीं जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात को दशार्ता है कि आपकी नहीं सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करोड़ देशवासियों का देश है और भारत किसी का गुलाम ल्लं है कि वो सिखायेगा कि भारत को क्या करना है भारत के सैनिको में जबरदस्त जोश है और किसी भी स्थिति से लड़ने को तैयार है और टेक्नोलॉजी में भी किसी देश से कम नहीं है ये ङ्क अमेरिका का बी -2 बमर है उसका डिजाइन भी भारतीय ने किया है ये अलग बात है टेक्नोलॉजी दूसरे देश को देने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया अमेरिका में जितने युद्ध के हथियार है अधिकतर को हमारे देश के वैज्ञानिक के द्वारा दि गई तकनीक है क्योंकि जो यहाँ टैलेंटेड होते हैं वो अमेरिका चले जाते हैं और भारत के लोग भी इसे बहुत अच्छा मामते है कि देखो वो अमेरिका में खुब पैसा कमा रहा है अब इस सोच से बाहर निकलना होगा क्योंकि अब जिस तरह युद्ध हो रहे हैं उसमें दूसरे देश कूद जाते हैं और अपनी दादागिरी दिखाते हैं ये बात अब इजराइल को भी समझ आ गई होगी और रूस यूक्रेन का युद्ध भी नाटो बनाम रूस हो गया और रूस का उन देशों के प्रति कहीं ना कहीं समर्थन है जिससे युद्ध जिस उद्देश्य के लिए हो रहा है वो समझ में ही नहीं आता आखिर जीता क्यों लेकिन 9/11 हमले में दो वर्ड ट्रेड सेंटर को अलकायदा ने निशाना बनाया तो अमेरिका ने उसपर एक तरह से कब्जा ही कर लिया था बाद में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन ने बापस बुलाया यही नहीं इराक उसका मजाक उड़ाया तो उसका क्या हाल हुआ वो सबको मालूम है अमेरिका ने ईरान ने इजराइल के कहने से ज्यादा वहाँ के अन्य मुस्लिम देशों ने अमेरिका को अच्छी खासी रकम दि है जिससे ट्रम्प ने बी -2 बमवर्षक विमान से ईरान के तीनो परमाणु ठीकानो को पूरी तरह बर्बाद कर दिया और अब ईरान का बम बनाने का सपना अधूरा रह गया खबर में कुछ भी बता देते हैं लेकिन उसमें हकीकत नहीं रहता अगर ईरान ने भारी मात्रा में यूरेनियम को वहाँ से हटा दिए है तो वो किस काम का है 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और 90 परसेंट करने में कम से कम 5साल लगेंगे ये दूसरे बम जैसा नहीं है कि जब चाहे बना लिए उसमें रेडियो। परमाणु हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक संवर्धित करने की आवश्यकता है अतः ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अमेरिका डील कर रहा अब उसे इजराइल से कोई मतलब नहीं रहा यही बात अब दूसरे देश को भी सिखने की जरुरत है यदि आपके पास अपना सामर्थ है तो युद्ध करो बरना आपस में समझौता कर लो हकीकत ये है कि भारत द डेली टेलीग्राफ और अन्य स्त्रोतों के अनुसार, चीन ने मई और जून 2020 के बीच भारतीय गश्त वाले 60 वर्ग किलोमीटर (23 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पाक अधिकृत काश्मीर में अपना नेटवर्क बना रहा है और चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था. ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है.चीन ने केवल भारत को ही नहीं परेशान कर रहा है बल्कि तिब्बत को भी कब्जे में लिया और उनके धर्म गुरु दलाई लामा भारत में हैं और तिब्बत का यहाँ एक अस्थाई सरकार भी धर्मशाला में है जिसे तिब्बत का अस्थाई सरकार धर्मशाला में है और जिसे तिब्बत सेंट्रल एडमिन्सटर कहते हैं और ये सभी भगवान बुद्ध को मानने वाले शांति प्रिय लोग है यहाँ उनके सारे मंत्रालय भी हैं जिसमें रक्षा नहीं है क्योंकि ये भारत के हिस्से में है ये 1956 से भारत में पंडित नेहरू के कहने पर बड़ी संख्या में अपने धर्म गुरू दलाई लामा के साथ भारत आए थे जब तिब्बत ने 16 बिंदु के करार को न मान कर तिब्बत को अपने कब्जे में ले लिया जो चीन की बाहबाही करते है जरा सा अपने वीर योद्धा पर भी ध्यान दें सियाचिन का गलेशियर जो भारत को पाकिस्तान और चीन द्वारा की जाने वाली घुसपैठ को रोकने में मदद करता है.वहाँ का तापमान -30 डिग्री में अपने जवान किस तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं और जिंदगी में क्या पाया भारत माता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है. इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है. चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था. ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है.इसलिए जहाँ देखें चीन की धरती है वहाँ कदम भी रखना देश के लिए ठीक नहीं है क्योंकि वहाँ वो आखिर आपकी क्या सुनेगा और खून का घुट पी कर आना पड़ेगा भारत स्वतंत्र देश है हम क्या ले क्या पहने ये मेरा अधिकार है चीन से तो बना हुआ कोई समान मैं तो नहीं लेता हूँ यहाँ तक की चाइनीज फूड भी क्योंकि देश सर्वोपरि है हमारी टेक्नोलॉजी उससे बेहतर है तभी तो केरल में जासूसी करने आए एक ब्रिटिश विमान को लॉक ही कर दिया चीन से सामान ही ना लो महात्मा गाँधी इसलिए विदेशी चीजों का वहिष्कार करते थे लेकिन आजादी के बाद देश का दुर्भाग्य ही कहे हमने उस पर अमल नहीं किया और आजादी के 77 साल बाद भी चीन की चाल को समझ नहीं रहे हैं ये बाद में अत्यंत हानिकारक होगा.इसलिए चीन के समान जब भारत में देखता हूँ तो कुछ समय के लिए सोचता हूँ सस्ता तो है लेकिन ये खरीदने से चीन की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और इसी पैसे से फिर आतंकवादी को भारत के खिलाफ हथियार देगा छोड़ो इसे नहीं चाहिए देश सर्वोपरि है.

एक-देश: एक-चुनाव... स्तंभों में टकराव संभावित...?

-ओमप्रकाश मेहत

केन्द्र की मोदी सरकार को प्रमुख कार्यसूची में एक प्रमुख कार्य पूरे देश में सभी चुनाव एक साथ कराना भी है और यह अहम कार्य मोदी सरकार इसी कार्यकाल के दौरान कराना चाहती है जिससे कि अगले लोकसभा चुनाव के समय पूरे देश में पंचायत स्तर से लेकर पॉर्लियामेंट तक के सभी चुनाव एक साथ करा सकें, लेकिन सरकार के इस प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक तो बाद में पहले प्रशासनिक रूकावटें सर्वाधिक है और यह प्रस्ताव ठोस रूप से सामने आने के पहले ही अभी से न्याय पालिका व विधायिका के बीच घमासान शुरू हो गया है, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने इस दिशा में चुनाव आयोग को दी जाने वाली शक्तियों के प्रति विरोध व्यक्त किया है, पूर्व मुख्य न्यायाधीश इस मसले पर गठित समिति के सामने पेश होकर अपनी आपत्ती दर्ज करवा दी थी। सरकार के इस फैसले के पीछे प्रधानमंत्री का तर्क यह है कि देश की आजादी के बाद यह पद्धति लागू थी और देश के सभी चुनाव कई वर्षों तक एक साथ हुए, किंतु सत्तर के दशक में यह नियम भंग हो गया क्योंकि विधानसभाओं के असमय कुछ मुद्दों पर भंग करने का सिलसिला शुरू हो गया, इसलिए राज्यों के विधानसभा चुनाव संसद से पिछड़ गए और फिर ये चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगें, जिससे देश को भारी आर्थिक क्षति के साथ राजनीति भी प्रभावित हुई। अब मोदी सरकार पुरानी परम्परा को फिर से लागू करना चाहती है, जिससे देश में पंचायत से पॉर्लियामेंट के चुनाव एकसाथ हो सके और सरकारें निश्चिंत होकर निर्धारित पांच वर्ष की अवधि में अपने-अपने चुनावी घोषणा-पत्र को मूर्तरूप दे सके, मोदी जी ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस मुद्दें पर चर्चा भी की और अनेक प्रतिपक्षी दल इस प्रस्ताव से सहमत भी हो गए, किंतु कांग्रेस जैसे प्रमुख दलों की सहमति प्राप्त नही हो सकी। अब सवाल यह है कि यदि मोदी जी अपने प्रयासों से राजनीतिक दलों की सहमति प्राप्त कर भी लेते है तो फिर प्रजातंत्र के प्रमुख स्तंभों न्याय पालिका और कार्य पालिका की पूर्ण सहमति कैसे प्राप्त होगी? फिर एक अहम सवाल यह भी है कि क्या मोदी जी इस प्रस्ताव को संसद से पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत से ज्यादा जनसमर्थन प्राप्त कर सकेंगे, जो इसे लागू करने की पहली शर्त है? फिर भी मोदी सरकार को पूरी उम्मीद है कि आगामी लोकसभा चुनाव 2029 तक यह नही भी हो पाया तो उसके बाद के चुनाव 2034 तक तो यह शत-प्रतिशत संभव है और यह होकर रहेगा। किंतु फिलहाल इस मसले पर मतवैभिन्य जारी है कि इस हेतु क्या चुनाव आयोग को विशेष शक्तियां प्रदान करना जायज होगा, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के साथ प्रतिपक्षी दल भी इस मसले पर गंभीर चिंतन कर रहे है। क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय के कुछ न्यायाधीश पहले ही इस मामले में अपनी प्रतिरोधी राय प्रकट कर चुके है तथा चुनाव आयोग को शक्तियां देने वाले संविधान संशोधन विधेयक के कुछ प्रावधानों पर अपनी असहमति के साथ चिंता भी जताई है तथा कहा है कि चुनाव आयोग को बेलगाम ताकत मुहैय्या नही करवा सकते। फिल हाल इस मसले पर कई स्तरों पर गंभीर चिंतन जारी है अब अंतिम फैसला क्या होता है, उसी की प्रतीक्षा है।

आज का राशिफल

मेष आज उन्नति के संयोग बन रहे हैं। जीवनसाथी से आर्थिक मामलों में सक्रिय सहयोग मिलेगा।	**तुला** पुराना निवेश जैसे पीपीएफ, एलआईसी या पोस्ट ऑफिस स्कीम से लाभ हो सकता है।
वृषभ पुराने निवेशक से मिलने वाला सहयोग आपके कारोबार का विस्तार कर सकता है।	**वृश्चिक** अनचाहे खर्चों की संभावना है। विशेषकर हेल्थ और कानूनी मामलों में।
मिथुन ई-वॉलेट की सुरक्षा सुनिश्चित करें। संतान की सफलता निवेश की दिशा तय कर सकती है।	**धनु** आज दिन अनुकूल है। गवर्नमेंट सेक्टर, ग्रांट्स या स्कॉलरशिप के जरिए धन प्राप्ति के योग हैं।
कर्क रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री या कैटरिंग से जुड़े हैं, तो किसी क्लाइंट से बड़ी डील फाइनल हो सकती है।	**मकर** आज भाग्य साथ दे रहा है। रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक संकेत मिलेंगे।
सिंह शिक्षा, विज्ञापन और सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे लोगों को सफलता मिल सकती है।	**कुंभ** आज समझदारी से काम लेने की सलाह है। आर्थिक निर्णय लेते समय भ्रम की स्थिति से बचें।
कन्या आज दिन तरक्की लेकर आएगा। नौकरी और व्यवसाय से जुड़ी बड़ी सफलता मिल सकती है।	**मीन** पारंपरिक योजनाएं जैसे म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट, गोल्ड या पीपीएफ धन वृद्धि करेंगी।

विशेष

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में रचा भारत का इतिहास

अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक इतिहास रस दिया है। मंगलवार की दोपहर वह सुरक्षित वापस लौट आए हैं। अंतरिक्ष से पृथ्वी तक आने के लिए उन्होंने 23 घंटे का सफर पूरा करते हुए अंतरिक्ष में एक इतिहास रच दिया है। निश्चित रूप से इससे भारत का गौरव बढ़ा है। भारत की अंतरिक्ष में यह एक अच्छी उड़ान है। भविष्य में भारत को इसका लाभ मिलेगा।

राजनीति से जुड़ा हुआ है राज्यसभा मे मनोनयन

राष्ट्रपति ने जिन चार नाम की अनुशंसा राज्यसभा के लिए की है। उसे राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। मीनाक्षी जैन पत्रकार गिरिराज जैन की बेटी ओर वरिष्ठ पत्रकार सुनील जैन की बहन है। महाराष्ट्र के उज्जवल निगम को कासव को बिरयानी खिलाने के नाम पर मनमोहन सिंह को घेरने,केरल से सी सदानंद मास्टर को केरल विधानसभा के चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए तथा विदेश सेवा के अधिकारी हर्षवर्धन को अगले विदेश मंत्री के रूप में देखा जा रहा है। इसमें से ऐसी कोई भी नियुक्ति नहीं है जिसका कोई राजनीतिक अर्थ न निकलता हो। मीनाक्षी जैन ने मन माफिक इतिहास लिखने में संघ की बड़ी मदद की है। वहीं केरल के सदानंद मास्टर के दोनों पर वामपंथी उग्रवादियों ने काट लिए थे। उन्हें एक सिंबल के रूप में पेश किया गया है। सभी को इनाम दिया गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1290: इंग्लैंड के शासक एडवर्ड प्रथम ने यहूदियों के निष्कासन का आदेश दिया. 1792: अमरीकी स्वतंत्रता की लड़ाई के नायक जॉन पाल जेम्स का निधन हुआ. 1817: अंग्रेजी भाषा के उपन्यासकार जॉन आस्टिन का निधन हुआ. 1872: मैक्सिको के राष्ट्रीय नायक और तीन बार राष्ट्रपति रहे बेनिटो जुआरेज की मौत हुई. 1918: नेल्सन मंडेला का जन्म हुआ. 1918: विमान वाहन पोत फ्यूरियस से ब्रिटिश विमान ने पहली बार जर्मनी पर हमला किया. 1947: भारतीय स्वाधीनता अधिनियम को शाही स्वीकृति मिली. 1951: जर्सी जो वाल्काट में एजार्ड चार्ल्स को हराकर 32 वर्ष की उम्र में हैवीवेट मुक्केबाजी के चैंपियन बने. 1980: भारत में निर्मित उपग्रह प्रक्षेपण वाहन एस.एल.वी. 3 से रोहिणी उपग्रह को कक्षा में भेजा गया. 1980: टेलीविजन से पहला रंगीन प्रसारण मद्रास से किया गया.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.42 बजे से
चंद्र	मकर में	सिंह	07.58 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.10 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.20 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.35 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.51 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.56 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.15 बजे से
		मेष	23.46 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	वृष	01.26 बजे से
		मिथुन	03.24 बजे से

2025 वर्ष का 194 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 06.53 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 18.01 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.28 बजे तदनन्तर विष्टि 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21°49'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872404
जूलियन दिन 2460869.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 17
विशेष जयापार्वती व्रत समाप्त।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कामिका एकादशी के दिन करें ये उपाय, हर कामना होगी पूरी

पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 21 जुलाई की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 21 जुलाई की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में भी बताया गया है कि इस एकादशी के अवसर पर कुछ ज्योतिष उपाय जरूर करने चाहिए जिससे आप अनेकों लाभ पा सकते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कामिका एकादशी के उपायों के बारे में विस्तार से।

धन लाभ के उपाय

कामिका एकादशी के दिन 5 कौड़ियां लें और उन कौड़ियों को लाला कपड़े में बांधकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। फिर इसके बाद कौड़ियों को घर की तिजोरी में रख दें। इससे धन लाभ के योग बनेंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कामना पूर्ति के उपाय

भगवान विष्णु के बीज मंत्र ऊँ नमो: नारायणाय नम: का 108 बार संकल्प के साथ कामिका एकादशी के दिन जाप करें। संकल्प के साथ इस मंत्र का जाप करने से भगवान विष्णु की कृपा होगी और आपकी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। आपके काम बनने लग जाएंगे।

वैवाहिक जीवन के उपाय

गुलाब या कमल के 2 फूल लेकर उन्हें कलावे से बांधें और उसमें 7 गांठ लगाएं। फिर उस गुलाब या कमल के जोड़े को भगवान विष्णु के चरणों में रखें। इससे आपके वैवाहिक जीवन का क्लेश दूर होगा। पति-पत्नी के बीच रिश्ता मधुर बनेगा और संतान प्राप्ति के योग बनेंगे।

ग्रह दोष मुक्ति के उपाय

कामिका एकादशी के दिन पीले रेशमी कपड़े में 9 सुपारी रखें और उन सुपारियों पर अक्षत एवं रोली लगाएं। इसके बाद गांठ बांधकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें। इससे ग्रह दोष दूर होगा। ग्रह शांत होकर कृपा बरसाएंगे और ग्रहों द्वारा आपको शुभ परिणाम नजर आएंगे।

सावन की पहली एकादशी कामिका एकादशी कब है, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। साथ ही व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है।

सावन माह के कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि पर कामिका एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की उपासना का विधान है। इसके प्रभाव से साधक को मोक्ष की प्राप्ति और आर्थिक समृद्धि मिलती हैं। सावन महादेव का प्रिय महीना है, जिसमें भव्य आयोजन के साथ शिव पूजन किया जाता है। मान्यता है कि सावन में प्रभु की उपासना करने से साधक के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं। यही नहीं इस अवधि में आने वाले तीज-त्योहारों पर भी भोलेनाथ की विशेष कृपा बनी रहती है। चूंकि इस दौरान चातुर्मास होता है, इसलिए सृष्टि का संचालन भी शिव जी करते हैं। ऐसे में एकादशी पर उनकी भी उपासना करना बेहद शुभ होता है। बता दें, सावन माह के कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि पर कामिका एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की उपासना का विधान है। इसके प्रभाव से साधक को मोक्ष की प्राप्ति और आर्थिक समृद्धि मिलती हैं।

पंचांग के अनुसार सावन महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 20 जुलाई को दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से शुरू होगी। इसका समापन 21 जुलाई दिन सोमवार को सुबह 9 बजकर 38 मिनट पर होगा। उदया तिथि के आधार पर 21 जुलाई 2025 को कामिका एकादशी का व्रत किया जाएगा। यह सावन महीने की प्रथम एकादशी भी होगी।

कामिका एकादशी पूजा विधि

- एकादशी के दिन सुबह ही स्नान कर लें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा के लिए सर्वप्रथम एक साफ चौकी पर पीला वस्त्र बिछाकर उसपर भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित करें।
- अब प्रभु को प्रणाम करते हुए पीले फूल, धूप, दीप, चंदन और नैवेद्य आदि से पूजा करें।
- इस दौरान तुलसी पत्र का विशेष महत्व है, इसलिए पूजा में इसे शामिल करें।
- प्रभु के मंत्रों का उच्चारण करें।
- विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।
- भगवान विष्णु की आरती करें और उन्हें केसर या मखाने की खीर का भोग लगाएं।
- अब शाम के समय एक बार फिर भगवान विष्णु की आरती करें और फलाहार ग्रहण करें।
- रात में भजन-कीर्तन करते हुए अगले दिन द्वादशी तिथि पर व्रत का पारण कर लें।

कामिका एकादशी पर सावन सोमवार का दुर्लभ संयोग इस एक उपाय से पाएं महादेव की विशेष कृपा

इस वर्ष 21 जुलाई 2025 को कामिका एकादशी है। यह सावन महीने की प्रथम एकादशी भी होगी। संयोग की बात यह है कि कामिका एकादशी पर सावन सोमवार का व्रत भी किया जाएगा। ऐसे में भक्तों को भगवान विष्णु और महाकाल को साथ में प्रसन्न करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि पर कामिका एकादशी मनाई जाती है। इस दिन भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करने से साधक की सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। इसके अलावा एकादशी का उपवास रखने से व्यक्ति का भाग्योदय भी होता है, जिसके प्रभाव से धन लाभ, सुख-समृद्धि और यश कीर्ति की प्राप्ति होती हैं। इस वर्ष 21 जुलाई 2025 को कामिका एकादशी है। यह सावन महीने की प्रथम एकादशी भी होगी। संयोग की बात यह है कि कामिका एकादशी पर सावन सोमवार का व्रत भी किया जाएगा। ऐसे में भक्तों को भगवान विष्णु और महाकाल को साथ में प्रसन्न करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। यदि इस दिन केवल महादेव को जल और विष्णु जी को पीला फल अर्पित किया जाए, तो सभी दुख-दर्द का निवारण होता है। हालांकि इस खास संयोग पर शिव और विष्णु चालीसा का पाठ करने से करियर, व्यापार और निवेश में अच्छा लाभ हो सकता है। ऐसे में आइए इस चालीसा को जानते हैं।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लगाएं ये भोग

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार को पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है।

मान्यता है कि सावन में आने के कारण इस एकादशी का महत्व और भी बढ़ जाता है। भगवान शिव ही इस एकादशी का फल प्रदान करते हैं। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सावन की कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की जो भी पूजा हम करते हैं वो भगवान शिव के भाग में जाती है, उसे भगवान शिव स्वीकार करते हैं। ठीक ऐसे ही भगवान विष्णु को लगाया भोग भी शिव जी द्वारा सी ग्रहण किया जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन सी चीजों का भोग लगाना चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले अद्भुत लाभ। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लड्डुओं का भोग लगाना चाहिए। बेसन या बूंदी से बने लड्डू भगवान विष्णु को प्रिय हैं। इसके अलावा, भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाना भी शुभ माना जाता है। हालांकि एकादशी के दिन चावल का प्रयोग वर्जित माना गया है। ऐसे में मखाने की खीर का भोग लगा सकते हैं या फिर आप चाहें तो मखानों को भून कर भी भोग में भगवान विष्णु को अर्पित कर सकते हैं। भगवान विष्णु को कामिका एकादशी के दिन मालपुए या घेवर का भोग भी लगाया जा सकता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी कोई नया मौसम शुरु होता है तो उस मौसम के फल या मिठाई का भोग अवश्य लगाना चाहिए। अभी घेवर का समय चल रहा है। ऐसे में आप कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को घेवर का भोग लगा सकते हैं। साथ ही, मालपुए का भोग भी भगवान विष्णु को चढ़ा सकते हैं। मालपुआ श्री हरि को प्रिय है।

सावन में शिवलिंग ही नहीं नंदी पर भी चढ़ाएं ये चीजें... तभी शिव जी स्वीकार करेंगे पूजा

सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा के साथ-साथ उनके प्रिय भक्त और वाहन नंदी जी की पूजा का भी विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि नंदी जी ही भक्तों की प्रार्थनाओं और मनोकामनाओं को सीधे भगवान शिव तक पहुंचाते हैं। इसलिए, सावन में नंदी जी की पूजा करने से भगवान शिव जल्द प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। कई लोग नंदी जी के कान में अपनी इच्छाएं बोलते हैं क्योंकि ऐसी मान्यता है कि इससे उनकी बात शिव जी तक अवश्य पहुंचती है। नंदी जी को धर्म और निष्ठा का प्रतीक भी माना जाता है और उनकी पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। इसी कड़ी में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सावन के दौरान शिवलिंग पर अलग-अलग वस्तुएं अर्पित करने के साथ ही कुछ चीजें नंदी की प्रतिमा पर भी अर्पित करनी चाहिए। इससे भगवान शिव आपकी पूजा स्वीकार करते हैं।

सावन के दौरान नंदी को अर्पित करें दूर्वा घास

सावन के दौरान नंदी पर एक या कुछ दूर्वा घास नंदी जी की प्रतिमा पर अर्पित करें। दूर्वा घास अर्पित करने से लंबी और स्वस्थ आयु का आशीर्वाद मिलता है। यह शारीरिक कष्टों से मुक्ति दिलाता है और मानसिक शांति प्रदान करता है। दूर्वा घास भगवान गणेश को भी प्रिय है और इसे नंदी जी को चढ़ाने से गणेश जी की कृपा भी प्राप्त होती है जिससे रुके हुए कार्य पूरे होते हैं।

सावन के दौरान नंदी को अर्पित करें गुड़ रोटी

सावन में नंदी जी को हरी मूंग गलाकर या गुड़ मिलाकर रोटी खिलाना शुभ माना जाता है। यह आप किसी मंदिर में नंदी की प्रतिमा को या किसी बैल को भी खिला सकते हैं। हरी मूंग या गुड़ के साथ रोटी खिलाने से धन संबंधी समस्याओं का समाधान होता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इससे परिवार में सुख-शांति आती है और घर में खुशहाली का माहौल बनता है। यह उपाय गृह क्लेश से मुक्ति दिलाने में भी सहायक माना जाता है।

सावन के दौरान नंदी को अर्पित करें बेलपत्र

नंदी जी को बेलपत्र अर्पित करते समय ध्यान रखें कि बेलपत्र कहीं से भी कटा-फटा न हो और उसकी तीनों पत्तियां साबुत हों। आप बेलपत्र पर सफेद चंदन लगाकर भी नंदी जी को चढ़ा सकते हैं। कुछ मान्यताओं के अनुसार, पहला बेलपत्र नंदी जी के सिर पर रखा जाता है। बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है और नंदी जी को बेलपत्र अर्पित करने से भगवान शिव अति प्रसन्न होते हैं। इससे सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है, मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सकारात्मकता आती है। यह पापों को दूर करने और पुण्य कमाने में भी सहायक माना जाता है।

सावन के दौरान नंदी को अर्पित करें दूध या जल

भगवान शिव के अभिषेक के बाद बचा हुआ जल या दूध नंदी जी के उस पैर पर अर्पित करें जो शिवलिंग की ओर बढ़ा होता है। आप नंदी जी को अलग से भी जल या दूध चढ़ा सकते हैं। नंदी जी को जल या दूध अर्पित करने से शारीरिक कष्ट दूर होते हैं और रोगों से मुक्ति मिलती है। यह उपाय खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है जो किसी बीमारी से जूझ रहे हों। इससे मानसिक शांति भी मिलती है और मन शुद्ध होता है।

सावन में किस समय रुद्राभिषेक करना माना जाता है सबसे शुभ

यदि आप सावन या किसी अन्य महीने में रुद्राभिषेक का आयोजन कर रही हैं, तो इसके सभी नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक माना जाता है। रुद्राभिषेक एक शक्तिशाली अनुष्ठान है, जो भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का एक प्रभावी तरीका है। नियमों का पालन करने से आप इस अनुष्ठान का पूर्ण फल प्राप्त कर सकती हैं। आइए जानें रुद्राभिषेक के सबसे उत्तम समय के बारे में।

सावन का पूरा महीना भगवान शिव की पूजा के लिए समर्पित होता है। इस अवधि में भक्तजन शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं, शिव जी की पूजा अर्चना करते हैं और घर या मंदिर में रुद्राभिषेक का आयोजन करते हैं। रुद्राभिषेक को अत्यंत पुण्य का अनुष्ठान माना जाता है और यदि इसका घर में आयोजन होता है तो पूरा वातावरण पवित्र हो जाता है। यही नहीं रुद्राभिषेक से घर पर सकारात्मक ऊर्जा आती है और सदैव खुशहाली बनी रहती है। ऐसे में आपको इसके सही नियमों के साथ इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए कि रुद्राभिषेक करने का सही समय क्या होना चाहिए और दिन और रात को मिलाकर किस समय में भूलकर भी आपको इस अनुष्ठान का आयोजन नहीं करना चाहिए। रुद्राभिषेक भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का एक प्रभावी तरीका है, जिससे जीवन में सुख और शांति की प्राप्ति होती है। रुद्राभिषेक के दौरान, मंत्रों का उच्चारण और शिव जी की पूजा अर्चना करने से आत्मिक शांति और संतुष्टि मिलती है।

सावन में रुद्राभिषेक करने के लिए सही समय

- सावन या किसी भी महीने में यदि आप रुद्राभिषेक का आयोजन कर रही हैं, तो आपको इसके सही समय की जानकारी जरूर लेनी चाहिए। सावन माह में न केवल सोमवार, बल्कि अन्य दिन भी भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माने जाते हैं।
- इस दौरान सोमवार को सावन सोमवार के रूप में पूजा जाता है तो मंगलवार देवी पार्वती को समर्पित होता है और इस दिन मंगला गौरी व्रत किया जाता है। इसी तरह से सावन के किसी भी दिन में रुद्राभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है।
- यदि हम शुभ समय की बात करें तो रुद्राभिषेक के लिए सबसे शुभ समय ब्रह्म मुहूर्त को माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि ब्रह्म मुहूर्त में रुद्राभिषेक करने से सभी देवताओं की ऊर्जा का फल एक साथ मिलता है।
- वहीं यदि आप इस समय में रुद्राभिषेक नहीं कर पा रही हैं तो सूर्योदय के बाद कभी भी इसका आयोजन किया जा सकता है। आपको कोशिश करनी चाहिए कि सूर्योदय से दोपहर के समय तक के समय में ही रुद्राभिषेक करें या फिर इसे प्रदोष काल में यानी सूर्यास्त से डेढ़ घंटे पहले के समय में भी किया जा सकता है।
- इसके साथ ही आप दिन के अमृत काल में भी रुद्राभिषेक कर सकती हैं, जिससे इसके पूर्ण फल प्राप्त हो सकते हैं। यदि हम रात के समय की बात करें तो आप रात्रि के समय भी रुद्राभिषेक कर सकती हैं। यही नहीं इस अनुष्ठान के लिए निशिता काल भी बहुत शुभ माना जाता है।

किस समय रुद्राभिषेक नहीं करना चाहिए?

- जिस तरह से रुद्राभिषेक के लिए एक शुभ समय माना गया है, उसी तरह से आपको दिन और रात के कुछ विशेष समय में इस अनुष्ठान के आयोजन से बचने की सलाह भी दी जाती है।
- आपको भूलकर भी राहुकाल में रुद्राभिषेक नहीं करना चाहिए। राहुकाल में किसी भी तरह का पूजन करने से अशुभ फल प्राप्त होते हैं।
- इसके अलावा दोपहर के समय 12 से 3 बजे तक रुद्राभिषेक नहीं करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि दोपहर का समय सभी देवताओं के विश्राम का समय होता है, इसी वजह से इस समय कोई भी पूजा -पाठ न करने की सलाह दी जाती है।

सावन में रुद्राभिषेक के लिए सबसे शुभ दिन कौन से होते हैं?

ज्योतिष की मानें तो सावन में रुद्राभिषेक के लिए सभी दिन विशेष माने जाते हैं, लेकिन यदि आप सावन के किसी भी सोमवार, नागपंचमी, तीज, सावन शिवरात्रि, कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा, अष्टमी, अमावस्या और शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को घर पर रुद्राभिषेक का आयोजन करें तो ये विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। इनमें से किसी भी दिन इस अनुष्ठान को करने से शुभ फल मिलते हैं। वहीं यदि हम रुद्राभिषेक के लिए सबसे शुभ स्थान की बात करें तो किसी भी ज्योतिर्लिंग में रुद्राभिषेक करना सबसे ज्यादा फलदायी माना जाता है, इसके अलावा मंदिर में भी इसका आयोजन शुभ होता है।

तीन गुना से ज्यादा बढ़ा सोलर कंपनी का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर कमजोर बाजार में भी रॉकेट बने हुए हैं। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 4 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 1239.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 5 दिन में सोलर कंपनी के शेयरों में 25 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल पहली तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का मुनाफा तीन गुना से ज्यादा बढ़ा है।

तीन गुना से ज्यादा बढ़ा है सोलर कंपनी का मुनाफा- वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का मुनाफा पहली तिमाही में तीन गुना से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 86.44 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का मुनाफा सालाना आधार पर 205 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 28.30 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 155 पर्सेंट बढ़कर 603.18 करोड़ रुपये पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 236.35 करोड़ रुपये था।

भारत में तेजी से बढ़ रहा मेडिकल टूरिज्म

देश को चिकित्सा केंद्र बनाने के लिए प्रोत्साहन देना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को 2035 तक वैश्विक चिकित्सा केंद्र बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मरीजों का इलाज करने वाले अस्पतालों के लिए कर छूट देने और स्वास्थ्य क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा देने की जरूरत है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार 2025 के 18.2 अरब डॉलर से बढ़कर 2035 तक 58.2 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। यह बाजार सालाना 12.3 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है। **फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट** - सोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) एवं केपीएमजी की रिपोर्ट में दूतावासों, प्रदर्शनियों और डिजिटल मंचों का लाभ उठाकर

वैश्विक ब्रांडिंग अभियान के साथ राष्ट्रीय-राज्य स्तर पर हील इन इंडिया मिशन शुरू करने की सिफारिश की गई है।
फेडरेशन के अध्यक्ष के श्यामा राजू ने कहा, हील इन इंडिया केवल एक स्वास्थ्य पहल नहीं, बल्कि भारत की ब्रांडिंग का अवसर है। हम इस पहल को देखभाल के साथ संस्कृति, सुविधा के साथ विश्वसनीयता को जोड़ने का मौका मानते हैं। निवेश जुटाने और सेवा वितरण में सुधार के लिए भारत को राजकोषीय एवं गैर-राजकोषीय प्रोत्साहनों का मिश्रण प्रदान करना चाहिए।
स्टार्टअप व संगठनों को दी जाए सब्सिडी
रिपोर्ट में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, चिकित्सा अनुसंधान और डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों में काम करने वाले स्टार्टअप्स एवं संगठनों के लिए लक्षित सब्सिडी और अनुदान देने की सिफारिश की गई है, जो सीधे मेडिकल टूरिज्म का समर्थन करते हैं।

सिर्फ 5 लाख से 10.5 करोड़ का सफर...

कैसे एक काम ने बदल कर रख दी ठेकेदारों की दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के शिवकुमार बोराडे और अश्वजीत वानखेड़े ने घर से काम करके सिर्फ 5 लाख रुपये के निवेश से माईटेक नाम की कंपनी शुरू की। 2025 तक यह कंपनी 10.5 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाली टेक स्टार्टअप बन गई। माईटेक एक,द्ध-आधारित ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) और मैन्युफैक्चरिंग मार्केटप्लेस है। यह कंपनी प्रोजेक्ट के लिए बोली लगाने वालों को ठेकेदारों से जोड़ती है। साथ ही प्रोजेक्ट के सभी पहलुओं को मैनेज करने में मदद करती है। इसमें कर्मचारी, मशीनरी, उपकरण, सामग्री और तकनीक शामिल हैं। आइए, यहां शिवकुमार बोराडे और अश्वजीत वानखेड़े की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

सिर्फ 5 लाख की पूंजी से शुरुआत

कोरोना महामारी के दौर में जब दुनियाभर में लोग घरों से काम कर रहे थे, दो दूरदर्शी उद्यमी शिवकुमार बोराडे और अश्वजीत वानखेड़े ने एक साहसिक कदम उठाया। उन्होंने सिर्फ 5 लाख रुपये के शुरुआती निवेश के साथ अपने घरों से ही माईटेक नाम की इन्फ्राटेक स्टार्टअप कंपनी की नींव रखी। आज, यह कंपनी एक सफल व्यवसाय में बदल चुकी है। नवी मुंबई में रजिस्टर्ड यह एआई-आधारित ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) और मैन्युफैक्चरिंग मार्केटप्लेस है। इसका उद्देश्य सरकारी या अन्य एजेंसियों से वर्क ऑर्डर प्राप्त करने वाले प्रोजेक्ट बोलीदाताओं को कॉन्ट्रैक्टरों और सब-कॉन्ट्रैक्टरों से जोड़ना है। इसके प्रमुख ग्राहक वे हैं जो सरकार या अन्य एजेंसियों से काम के ऑर्डर तो ले लेते हैं, लेकिन पैसे,

सब-कॉन्ट्रैक्टरों की कमी या संसाधनों के अभाव के कारण उन्हें निष्पादित करने में सक्षम नहीं होते या फिर वे काम को सबलेट करना चाहते हैं। यहीं पर माईटेक की भूमिका आती है। यह स्टार्टअप एक ऐसा मंच प्रदान करता है जो वर्कफोर्स, मशीनरी, उपकरण, सामग्री और प्रौद्योगिकी सहित परियोजना के सभी पहलुओं का प्रबंधन करने में मदद करता है। कंपनी मुख्य रूप से एमएसएमई और ए+ ग्रेड की कंपनियों को सेवाएं देती है। यह सिविल वर्क, आईटी और आईटीईएस, दूरसंचार, ऑटोमोबाइल और आर्किटेक्चर तथा मैकेनिकल-इलेक्ट्रिकल-प्लंबिंग जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है। माईटेक वर्तमान में महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, गोवा और तेलंगाना में अपनी मजबूत उपस्थिति रखती है। वैसे पूरे भारत में इसके ऑपरेशन हैं।

क्लाइंट के जरिये हुई मुलाकात

शिवकुमार की मुलाकात अश्वजीत वानखेड़े से एक क्लाइंट के माध्यम से हुई। अश्वजीत के पास मार्केटिंग और एचआर में एमबीए की डिग्री है। उनके पास एनआईआईटी, टीसीएस, और यूएसटी ग्लोबल जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने का अनुभव है। वह तुरंत माईटेक की क्षमता से आश्वस्त हो गए। शुरुआती दिनों में उनका ऑफिस मुंबई के चेंबूर में एक कैफे था। कुछ महीनों में जब कॉफी का खर्च 30,000 रुपये महीना तक पहुंच गया तो उन्हें एहसास हुआ कि यह अपना खुद का ऑफिस लेने का समय है। उन्होंने माईटेक प्लेटफॉर्म विकसित करने से पहले बोलीदाताओं, ठेकेदारों, उप-ठेकेदारों और निवेशकों जैसे प्रमुख हितधारकों को इस कॉन्सेप्ट को पेश करने पर ध्यान केंद्रित किया ताकि उन्हें साथ लाया जा सके।

ऐसे आया आइडिया

शिवकुमार बोराडे का सफर संघर्षों से भरा रहा है। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के बगलकोट से आने वाले शिवकुमार ने कम उम्र से ही परिवार की आय बढ़ाने के लिए अलग-अलग काम किए। इनमें वेल्डिंग, गैराज में काम करना, पेंटिंग, कराटे सिखाना और यहां तक कि अखबार बेचना तक शामिल हैं। उन्होंने यशवन्त राव चव्हाण ओपन यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त की क्योंकि उनके परिवार के पास सीमित संसाधन थे। सरकारी नौकरी की बजाय अपना व्यवसाय शुरू करने का उनका जुनून ही माईटेक की नींव बना। सीआइएसएफ और आइसीआइसीआइ बैंक में काम करने के अनुभव के बाद स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में भी उन्होंने काम किया, जहां उन्होंने सरकारी कार्यालयों के साथ बातचीत करते हुए परियोजना बोलीदाताओं के सामने आने वाली चुनौतियों को करीब से देखा। यहीं से उन्हें माईटेक का आइडिया आया।

सोने-चांदी के भाव में फिर बड़ा बदलाव

1300 उछली चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के भाव में आज बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आज दोनों कीमती धातुओं के तेवर फिर से गरम हो गए हैं। 18 जुलाई शुक्रवार को सर्राफा बाजारों में चांदी के भाव में 1300 रुपये का उछाल है। जबकि, सोना 375 रुपये उछला है। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोना जहां 100762 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 115669 रुपये किलो बिक रही है। गुरुवार को चांदी 111000 रुपये प्रति किलो और सोना 97453 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। आज 24 कैरेट गोल्ड 97828 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। जबकि, चांदी 112300 प्रति किलो के रेट पर खुली।

जुलाई में कितना महंगा हुआ सोना

जुलाई में चांदी की रफ्तार सोने के मुकाबले काफी तेज रही। इस अवधि के सोना जहां 1942 रुपये प्रति दस ग्राम उछला तो

चांदी के रेट में उछाल 5490 रुपये की रही। आईबीजेए रेट के मुताबिक 30 जून को सोना 95886 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से बंद हुआ था। जबकि, चांदी 105510 रुपये प्रति किलो के रेट से बिकी। इसमें जीएसटी नहीं जुड़ा है। इस साल सोना 22088 और चांदी 26283 रुपये चढ़ी

सर्राफा बाजारों में इस साल सोना करीब 22088 रुपये और चांदी 26283 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

कौन जारी करता है सोने-चांदी के भाव

सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

क्या हैं 18 कैरेट से 23 कैरेट तक के गोल्ड के रेट

आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 375 रुपये महंगा होकर 97436 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 100359 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89610 रुपये प्रति 10 ग्राम है। जीएसटी संग यह 92298 रुपये है। आज 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 281 रुपये बढ़कर 73371 और जीएसटी के साथ यह 75572 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

1 शेयर पर 229 रुपये का डिविडेंड दे रही है चर्चित कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की चर्चित कंपनी एमआरएफ लिमिटेड एक्स-डिविडेंड ट्रेड कर रहा है। कंपनी की तरफ से 229 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने का ऐलान किया गया है। यानी आज जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें डिविडेंड का लाभ होगा।
हर शेयर पर 229 रुपये का लाभ- एक्सचेंज को दी जानकारी में एमआरएफ लिमिटेड ने बताया था कि एक शेयर पर 229 रुपये का डिविडेंड बांटा जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने पहले ही 18 जुलाई की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित कर दिया था। बता दें, रिकॉर्ड डेट वह तारीख होती है जब कंपनी अपने रिकॉर्ड बुक में निवेशकों का नाम चेक करती है। डिविडेंड, बोनस शेयर आदि का लाभ लेने के लिए रिकॉर्ड डेट से एक कारोबारी दिन पहले शेयरों को खरीदना पड़ता है।

शहरी उपभोक्ता वैल्यू खोज रहे, वहीं ग्रामीण भारत ब्रांड के प्रति जागरूक हुआ; रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में लोगों के पैसे खर्च करने का तरीका बदल रहा, खासकर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में। शहरी और ग्रामीण उपभोग के बीच पारंपरिक अंतर बदल रहा है। एमके रिसर्च की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार शहरी उपभोक्ता अब ब्रांड के प्रति अधिक उदासीन हो रहे हैं और वैल्यू पर ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं। वहीं ग्रामीण उपभोक्ता तेजी से ब्रांडों को अपना रहे हैं और ब्रांड के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं।

शहरी उपभोक्ताओं का रुझान- शहरों में उपभोग की मात्रा धीमी हो रही है और लोग अब पैकेजिंग, मूल्य निर्धारण और सुविधा पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। मानसिकता में यह बदलाव शहरी उपभोक्ताओं को बेहतर मूल्य वाले उत्पादों को

चुनने के लिए प्रेरित कर रहा है, भले ही इसका मतलब लोकप्रिय ब्रांडों से दूर जाना हो।

शहरों में गैर-जरूरी वस्तुओं पर खर्च में आई कमी

हालांकि प्रीमियम उत्पादों की मांग अभी भी बनी हुई है, लेकिन हाल ही में प्रीमियमीकरण की दर धीमी हो गई है। साथ ही, शहरी उपभोक्ता मूल्य, गति और सुविधा पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस बदलाव के कारण गैर-जरूरी वस्तुओं पर खर्च में भी कमी आ रही है।
शहरी और ग्रामीण उपभोग के बीच की रेखा हुई धुंधली- रिपोर्ट में एक और दिलचस्प बात यह बताई गई है कि शहरी और ग्रामीण उपभोग के बीच की रेखा धुंधली होती जा रही है। ग्रामीण समाज के उच्च वर्ग और शहरों में रहने वाले मध्यम आय वर्ग के लोगों की खरीदारी का पैटर्न अब एक जैसा हो गया है। इससे पता चलता है

मुकुल अग्रवाल ने फार्मा कंपनी में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

सुस्त शेयर ने भरी उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी। तत्व चिंतन फार्मा के शेयरों में शुक्रवार, 18 जुलाई यानी आज जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। शुरुआती कारोबार में ही शेयर करीब 12 प्रतिशत की उड़ान भर लिए। यह उछाल कंपनी के ताजा शेयरहोल्डिंग पैटर्न में एक बड़े निवेशक का नाम सामने आने के बाद आया है। जून तिमाही के लिए जारी ताजा शेयरधारक पैटर्न से पता चला है कि अनुभवी निवेशक मुकुल अग्रवाल ने अप्रैल से जून के बीच कंपनी में 1.28 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। हैरानी की बात यह है कि मार्च तिमाही खत्म होने तक कंपनी के शेयरधारकों में मुकुल अग्रवाल का नाम नहीं था। यानी उन्होंने पिछले तीन महीनों में यह हिस्सेदारी खरीदी।

- **गोल्डमैन सैक्स बरकरार**- वहीं गोल्डमैन सैक्स, अपने फंड गोल्डमैन सैक्स इंडिया इक्विटी पोर्टफोलियो के जरिए, जून तिमाही के अंत तक तत्व चिंतन में 2.59 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए हुए है।
- **रिटेल निवेशकों की संख्या घटी**-छोटे या रिटेल निवेशकों (जिनके पास 2 लाख तक के शेयर होते हैं) की संख्या घटकर 73,930 रह गई है, जो मार्च में 75,486 थी। हालांकि, उनकी कुल हिस्सेदारी लगभग 15 प्रतिशत पर पहले जैसी ही बनी हुई है।
- **लिस्टिंग के बाद से निराशा**- तत्व चिंतन फार्मा शेयर बाजार में लिस्ट होने (जुलाई 2021) के बाद से निवेशकों को निराश करता रहा है। कंपनी के शेयरों का आईपीओ प्राइस 1,083 प्रति शेयर था। शुक्रवार को बढ़त के बावजूद भी शेयर का भाव इस आईपीओ प्राइस से अभी नीचे ही चल रहा है। हालांकि, शुक्रवार की यह तेजी शेयर को साल-दर-साल के हिसाब से 23 प्रतिशत की बढ़त दिलाने में कामयाब रही है।

प्रमोटर और दूसरे बड़े निवेशक की हिस्सेदारी

जून तिमाही के अंत तक तत्व चिंतन फार्मा के प्रमोटर्स के पास कंपनी में 72 प्रतिशत हिस्सेदारी बनी हुई है। दूसरे सार्वजनिक शेयरधारकों की बात करें तो भारत के घरेलू म्यूचुअल फंड्स ने अपनी हिस्सेदारी थोड़ी कम की है। मार्च में उनकी हिस्सेदारी 5.34 प्रतिशत थी, जो जून में घटकर 5.07 प्रतिशत रह गई। खासकर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने अपना हिस्सा कम किया है, जो पहले 2.03 प्रतिशत था और अब 1.79 प्रतिशत है।

मलेशिया के सबसे दौलतमंद शख्स की बेटी के हाथ में 18843 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। शांगरी-ला एशिया ने कुओक हुई क्वॉन्ग को 1 अगस्त से अपना नया सीईओ नियुक्त किया है। 16 जुलाई को एक रेगुलेटरी फाइलिंग में यह घोषणा की गई। कुओक वर्तमान में कंपनी की चेयर और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। अब वह कंपनी की टॉप ऑपरेशनल भूमिका भी संभालेंगी। यह नियुक्ति दिसंबर 2022 में लिम बेंग ची के सीईओ पद से हटने के बाद हुई है। लिम बेंग ची लगभग छह साल तक इस पद पर रहे थे। हालांकि, वह बोर्ड में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में बने रहेंगे। कुओक हुई क्वॉन्ग के नेतृत्व में कंपनी की लीडरशिप अब एकजुट होगी। कंपनी के अनुसार, कुओक को चेयरमैन और सीईओ दोनों की भूमिकाएं सौंपने से कंपनी की रणनीति और कामकाज में तालमेल बढ़ेगा। इससे सभी स्तरों पर एक समान नजरिया सुनिश्चित होगा। 47 साल की कुओक हुई क्वॉन्ग कई सालों से शांगरी-ला एशिया के बोर्ड में महत्वपूर्ण शखसियत रही हैं। वह जून 2016 में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में शामिल हुईं और जनवरी 2017 में चेयर बनीं। कंपनी का कहना है कि उन्होंने रणनीतिक प्राथमिकताओं को तय करने और दीर्घकालिक लक्ष्यों को निर्देशित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एससीएमपी की रिपोर्ट के अनुसार,पिछले साल उनके भाई के पद छोड़ने के बाद उन्होंने

चुपचाप समूह का नेतृत्व संभाला था। इससे पहले वह छह महीने तक डिप्टी चेयर के रूप में काम कर चुकी थीं।

कुओक हुई क्वॉन्ग ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से ईस्ट एशियन स्टडीज में बैचलर डिग्री हासिल की है। वह शांगरी-ला के संस्थापक और मलेशिया के सबसे धनी व्यक्ति रॉबर्ट कुओक हॉक-निएन की आठ संतानों में से छठी हैं। फोर्ब्स के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति 11.4 अरब डॉलर है। हॉस्पिटैलिटी के अलावा, उन्होंने टॉप एडिटोरियल रोल भी संभाले हैं। वह जनवरी से जून 2012 तक साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की सीईओ भी रहीं। बाद में 2015 में अलीबाबा ने इस अखबार और इसके पैरेंट एससीएमपी ग्रुप का अधिग्रहण कर लिया। इससे पहले इस पर केरी होल्डिंग्स का नियंत्रण था, जो कुओक परिवार की प्रमुख कंपनी है।

बेहद बड़ा है कारोबारी साम्राज्य

शांगरी-ला एशिया हांगकांग और सिंगापुर दोनों में लिस्टेड है। यह शांगरी-ला, केरी होटल्स, जेन और ट्रेडर्स जैसे चार ब्रांडों के तहत दुनिया भर में 100 से अधिक होटल संचालित करता है। कंपनी की शुरुआत 1971 में सिंगापुर में एक होटल से हुई थी। अब यह 13.2 अरब डॉलर की संपत्ति का प्रबंधन करती है। कुओक परिवार की इनमें से 77 संपत्तियों में हिस्सेदारी है। समूह के वाइन, गोल्फ कोर्स और रियल एस्टेट में भी संबंधित उद्यम हैं। 2024 में शांगरी-ला एशिया ने 2.19 अरब डॉलर (करीब 18843 करोड़ रुपये) का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2 फीसदी अधिक है। हालांकि, शुद्ध लाभ 12.3 फीसदी घटकर 16.14 करोड़ डॉलर हो गया। 2023 के अंत तक समूह में लगभग 25,500 कर्मचारी थे।

घर बैठे सिगरेट और तंबाकू भी झटपट पहुंचा रहे हैं ई-कॉमर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। किराने का सामान चुटकियों में पहुंचाने वाले ऑनलाइन ऐप्स अब सिगरेट और तंबाकू भी झटपट घर पहुंचा रहे हैं। मगर यहां दिक्कत है। ये ई-कॉमर्स ऐप्स सिगरेट को बिना

ब्रांड नाम दिखाते हैं और ग्राहक से सिर्फ एक बटन दबाकर खुद ही कहने को कहते हैं कि वह 18 साल से बड़ा है। इस वजह से तंबाकू जैसी चीजों की ऑनलाइन बिक्री पर बवाल मच गया है। सुनीरा टंडन और धीरेंद्र कुमार की रिपोर्ट...

नियम क्या कहते हैं- देश में तंबाकू का विज्ञापन करना बंद है। सिर्फ 18 साल से ऊपर के लोग ही इसे खरीद सकते हैं। स्कूल-कॉलेज के 100 गज के दायरे में भी इसकी बिक्री मना है, लेकिन इन सबके बावजूद कई ऑनलाइन ऐप्स सिगरेट घर-घर पहुंचा रहे हैं। इससे डर ये है कि कहीं नाबालिग बच्चे भी आसानी से तंबाकू मंगा न लें। कानून जानने वालों का कहना है कि देश में अभी ऑनलाइन तंबाकू बेचने को साफ-साफ रोकने वाला कोई कानून नहीं है।

ऐप्स कैसे बच निकलते हैं

गूगल प्ले स्टोर पर तंबाकू बेचने वाले ऐप्स बैन हैं, इसलिए कई क्विक कॉमर्स कंपनियां लाइट ऐप या वेबसाइट का इस्तेमाल करती हैं। कानूनी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि ग्राहक का खुद ही हां, मैं 18 साल का हूं बटन दबा देना, असल कानून (सिगरेट और तंबाकू उत्पाद कानून, 2003) को पूरा नहीं करता। ये कानून दुकानदार की जिम्मेदारी बताता है कि वो नाबालिग़ को तंबाकू न बेचे। मगर ये ऐप्स ये जिम्मेदारी ग्राहक पर डाल देते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत कर सकता है सीरीज बराबर: मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने युवा भारतीय टीम का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया इंग्लैंड में चल रही टेस्ट सीरीज में वापसी कर सकती है। उन्होंने ये भी माना कि हार के बाद घबराहट से टीम का लय बिगड़ सकता है। के साथ खास बातचीत में कैफ ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी और आर. अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय टीम की मजबूती की तारीफ की और कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व और बल्लेबाजी की सराहना की। कैफ ने टीम के सिलेक्शन की वकालत की और टीम प्रबंधन को हार के बाद जल्दबाजी में फैसले न लेने की सलाह दी। उन्होंने करुण नायर जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा और मौजूदा प्लेइंग इलेवन को समर्थन देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आपने चार दिन तक अच्छा क्रिकेट खेला और पांचवें दिन हार गए। इसका मतलब यह नहीं कि आप अपनी योजनाएं बदल दें।

कैफ ने जसप्रीत बुमराह के अगले महत्वपूर्ण टेस्ट में खेलने की संभावना और बल्लेबाजी टीम के फॉर्म में होने पर कहा, 2-2 से सीरीज बराबर होने की अच्छी संभावना है, भारत को बस शांत रहकर समझदारी से खेलना होगा। सीरीज में भारत के प्रदर्शन पर कैफ ने कहा, भारत ने पिछले 15 में से 12-13 दिन तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार क्रिकेट खेला। जब यह टीम इंग्लैंड पहुंची, तो ज्यादातर लोग 0-4 या 1-4 से हार की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन इस युवा टीम ने सभी को चौंका दिया। कोहली, रोहित, शमी और अश्विन के बिना इस टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। दो करीबी मैच हारे– हेडिंग्ले भारत की पहुंच में था और 193 रनों का पीछा करते हुए आखिरी टेस्ट भी। शुभमन गिल ने कप्तान और बल्लेबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लिश परिस्थितियों में उनकी क्षमता पर सवाल थे, लेकिन उन्होंने बल्ले से जवाब दिया। थोड़ी सी किस्मत के साथ भारत तीनों टेस्ट जीत सकता था। लॉर्ड्स में आखिरी मैच के रन-चेज और रवींद्र जडेजा पर बात करते हुए

कैफ ने कहा, जडेजा ने शानदार पारी खेली और उन्हें पूरा श्रेय जाता है, लेकिन अगर वे 10 प्रतिशत अधिक आक्रामक होते, तो नतीजा अलग हो सकता था। यह 5वां दिन का पिच था और गेंद रिवर्स हो रही थी, उछाल असमान था, और परिस्थितियां मुश्किल थीं। जब यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजी करने आए, तो उन्होंने केवल तीन गेंदें खेलीं। उस समय स्ट्राइक मैनेज करना जरूरी था और यह ध्यान देना कि बुमराह या सिराज जैसे टेलएंडर कितनी गेंदें खेल रहे हैं। जडेजा ने 90 प्रतिशत काम कर दिया था। बस 10 प्रतिशत और कुछ जोखिम भरे शॉट्स और चेज पूरा हो सकता था। लेकिन, बाहर से कहना आसान है। उस पल का दबाव केवल बल्लेबाज ही समझ सकता है। फिर भी, यह यादगार पारी थी।

भारत की फील्डिंग पर बात करते हुए कैफ ने कहा, कुल मिलाकर, भारत की फील्डिंग अच्छी रही। कुछ मिसफील्ड और ड्रॉप कैच हुए, लेकिन यह हर सीरीज में होता है। करुण नायर ने मुझे बहुत प्रभावित किया- मजबूत हाथ, साफ कैच और शानदार तकनीक। ऋषभ पंत की कमी खली। अगर पंत पूरी तरह फिट होते, तो विकेट के पीछे बड़ा अंतर पड़ता। जायसवाल ने आखिरी मैच में एक महत्वपूर्ण कैच छोड़ा, जो टर्निंग पॉइंट था। ऐसे क्षण मैच का रुख बदल सकते हैं। फिर भी, कैचिंग काफी हद तक ठीक रही। शुभमन गिल और केएल राहुल ने कुछ शानदार कैच लिए। कैफ ने फील्डिंग, टेपिंग और तकनीक पर कहा, मैं जोरदार टेपिंग का समर्थक नहीं हूं। इससे उंगलियां सुन्न हो जाती हैं और लचीलापन कम हो जाता है। ज्यादा टेपिंग से उंगलियों का हिस्सा मोटा हो जाता है। जब गेंद लगती है, तो टेप स्पंज की तरह काम करता है और प्रभाव को कम करता है, और गेंद हाथ से निकल सकती है। जब मैं फील्डिंग करता था, तो मैं अपनी हथेलियों पर थूक का इस्तेमाल करता था, इससे गेंद को पकड़ने में मदद मिलती थी। फील्डिंग में दर्द सहना पड़ता है। आप इससे बच नहीं सकते और इसे सहना पड़ता है। जायसवाल एक अच्छे फील्डर हैं, हमने यह आईपीएल और टेस्ट में देखा है। लेकिन, उंगलियों पर ज्यादा टेपिंग से अपनी स्वाभाविक पकड़ और फीलिंग को देते हैं। शायद यही उनके कैच छूटने का कारण रहा।

भारतीय टीम के चयन के दृष्टिकोण पर मोहम्मद कैफ ने कहा, मैंने देखा है कि जब भारत हारता है, तो वे घबरा जाते हैं। लेकिन जब जीतते हैं, तो वे उसी प्लेइंग इलेवन के साथ बने रहते हैं। पहला टेस्ट हारने के बाद उन्होंने 2-3 बदलाव किए। लेकिन बर्मिंघम में जीत के बाद सिर्फ बुमराह को शामिल किया, कोई और बदलाव नहीं। यही पैटर्न रहा है। तीसरा टेस्ट हारने के बाद भी मेरा मानना है कि उन्हें मैनचेस्टर में उसी टीम के साथ उतरना चाहिए। करुण नायर ने 30-40 रन की शुरुआत की है, लेकिन वे रन नहीं बना पा रहे हैं। फिर भी, उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए। मेरे लिए यह इंग्लैंड का पिछले कई सालों में सबसे कमजोर गेंदबाजी आक्रमण है। कोई ब्रॉड, कोई एंडरसन नहीं, और आर्चर अभी पूरी तरह वापस नहीं आए हैं। मैंने कभी इतना हल्का इंग्लैंड का आक्रमण नहीं देखा। फिर भी, हम 193 रनों का पीछा नहीं कर पाए। यहीं हम खेल हार गए। यह शुभमन गिल और गौतम गंभीर दोनों के लिए एक परीक्षा है। करीबी हार के बाद क्या वे घबराएंगे और बदलाव करेंगे? या खिलाड़ियों पर भरोसा रखेंगे?

टीम के मनोबल पर कैफ ने कहा कि सबसे पहले, घबराएं नहीं। घबराहट से दबाव बनता है और दबाव से गलतियां होती हैं। हां, भारत को अब बचे दोनों टेस्ट जीतने की जरूरत है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप अपना संयम खो दें। शांत रहना सबसे जरूरी है।

कैफ ने भारत की बल्लेबाजी पर बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि भारतीय बल्लेबाजी क्रम का 80-90 प्रतिशत हिस्सा अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। गिल फॉर्म में हैं, जायसवाल ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पंत आत्मविश्वास से खेल रहे हैं और जडेजा लगातार रन बना रहे हैं। सुंदर ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर बल्लेबाजी चल रही है, तो उसे बदलने की कोई जरूरत नहीं है। बस वही तरीका दोहराते रहिए।

चौथे टेस्ट से पहले मैनचेस्टर में दिखे विराट कोहली

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉर्ड्स टेस्ट में हार के बाद टीम इंडिया जहां मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट जीतने के लिए जोरदार तैयारी कर रही है, वहीं सोशल मीडिया पर विराट कोहली एक बार फिर छा गए हैं. भले ही विराट अब टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं, लेकिन इंग्लैंड में उनका जलवा कम नहीं हुआ है. चौथे टेस्ट से ठीक पहले मैनचेस्टर में विराट कोहली की मौजूदगी ने फैंस को हैरान कर दिया है. दरअसल, वो खुद मैनचेस्टर नहीं पहुंचे हैं, लेकिन उनका विशाल पोस्टर ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम की दीवारों पर नजर आया है. इस पोस्टर में विराट के साथ साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और भारतीय महिला टीम की उपकप्तान और ओपनर स्मृति मंधाना की भी तस्वीरें लगी हैं.यह पोस्टर इंग्लैंड और भारत के बीच 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के प्रमोशन के लिए लगाया गया है. इसके साथ ही इस पोस्टर में भविष्य में होने वाले मैचों की तारीखें भी दी गई हैं. विराट कोहली की तस्वीर ने फैंस को रोमांचित कर दिया है और इंग्लैंड में उनकी लोकप्रियता एक बार फिर साबित हुई है.जहां विराट कोहली का चेहरा मैनचेस्टर में चमक रहा है, वहीं टीम इंडिया का प्रदर्शन इस स्टेडियम में काफी निराशाजनक रहा है. भारत ओल्ड ट्रैफर्ड में अब तक 9 टेस्ट मैच खेल चुका हैं, लेकिन टीम को एक भी जीत नसीब नहीं हुई है. इनमें से 4 मैच हारे हैं और 5 मैच ड्रॉ रहे हैं. इस मैदान पर सिर्फ आठ भारतीय बल्लेबाज ही शतक बना पाए हैं. आखिरी बार सचिन तेंदुलकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 1990 में इस मैदान पर शतक जड़ा था. विराट कोहली जैसे दिग्गज भी इस मैदान पर कभी शतक नहीं बना पाए हैं. साल 2021 में विराट ने इसी मैदान पर भारत की कप्तानी भी की थी, लेकिन उस मुकाबले में भी भारत को हार का सामना करना पड़ा था.

301 विकेट ले चुके इस गेंदबाज ने अचानक किया संन्यास लेने का ऐलान, फैन्स में मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लूस्टरशायर के दिग्गज गेंदबाज टॉम स्मिथ ने टी-20 ब्लास्ट में अपनी टीम के अभियान की समाप्ति के साथ ही पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी. चेल्टेनहैम कॉलेज में विटैलिटी ब्लास्ट में ससेक्स शार्क्स के खिलाफ ग्लूस्टरशायर का मैच उनका आखिरी मैच होगा. टॉम स्मिथ ने 2015 में टीम के रॉयल लंदन वनडे कप और पिछले सीजन में टी-20 ब्लास्ट जीतने में अहम भूमिका निभाई थी. वह क्लब के लिए टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं. ग्लूस्टरशायर के लिए टॉम स्मिथ ने करियर की शुरुआत 12 साल पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ हुए एक अभ्यास मैच से की थी. क्लब के लिए सभी प्रारूपों में वह अब तक 301 विकेट ले चुके हैं. टी20 में उनके नाम 154 विकेट दर्ज हैं.क्लब की वेबसाइट के लिए लिखे एक पत्र में स्मिथ ने लिखा, ऐसा लगता है कि यह सही समय है. पिछले कुछ सीजन में, मुझे खेलने के साथ-साथ कोचिंग करियर बनाने का सौभाग्य मिला है और अब मैं उस पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार हूं. उन्होंने लिखा, ग्लूस्टरशायर का मुझ पर विश्वास करने के लिए शुक्रिया. पिछले 13 सीजन मेरे और मेरे परिवार, दोनों के लिए बेहद खास रहे हैं. क्लब को डिवीजन वन में पहुंचाने से लेकर दो व्हाइट-बॉल ट्रॉफी जीतने तक, ये क्रिकेट के मैदान पर मेरे सबसे बेहतरीन दिन रहे हैं.ग्लूस्टरशायर के मुख्य कोच मार्क एलेन ने स्मिथ के पूरी तरह से कोचिंग की भूमिका में आने पर बधाई दी. एलेन ने कहा, टॉम ने 50 से ज्यादा प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, लेकिन उन्होंने व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है.उन्होंने कहा, कोचिंग में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए, हमें पूरा विश्वास है कि वह उसी ऊर्जा और कौशल के साथ आगे बढ़ेंगे, जिसने उनके खेल करियर को परिभाषित किया है. वह इस क्षेत्र में पहले ही काफी प्रगति कर चुके हैं. हम ग्लूस्टरशायर क्रिकेट में उनके योगदान को कभी नहीं भूलेंगे.

पंत मैनचेस्टर में विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो बतौर बल्लेबाज न खेलें: शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के उप-कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टीम के उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह चौथे टेस्ट से पहले मैच के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी लेने के लिए आश्वस्त न हो जाएं। तीसरे टेस्ट में पंत ने 74 और 9 रन की पारी खेली थी। खेल के दौरान उन्हें बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। वह मैच के बाकी समय विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। शुक्रवार को आईसीसी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो स्थिति और खराब हो जाएगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है जो उन्हें चुभती है, तो यह बहुत अच्छा नहीं होगा। इससे चोट और बिगड़ जाएगी।

वैभव-आयुष करेंगे ओपन, दूसरे टेस्ट के लिए इंडिया 19 की प्लेइंग इलेवन, टेस्ट सीरीज जीतने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया अंडर 19 क्रिकेट टीम और इंग्लैंड अंडर 19 क्रिकेट टीम के बीच 2 मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज का दूसरा यानी आखिरी मैच 20 जुलाई से काउंटी ग्राउंड, चेम्सफोर्ड में खेला जाएगा। भारतीय समय के मुताबिक ये मैच दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा।

आयुष महात्रे की कप्तानी में इंडिया ने पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और टीम जीतने की स्थिति में भी थी, लेकिन आखिरी दिन भारतीय गेंदबाज विरोधी टीम के सभी 10 विकेट लेने में विफल रही थी और मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ था। इंडिया का जिस तरह का प्रदर्शन पहले मैच में रहा उसके बाद इस टीम के पास इस टेस्ट सीरीज को अपने नाम करने का अच्छा मौका है। पहले टेस्ट मैच में इंडिया के बल्लेबाजों व गेंदबाजों ने इंग्लैंड पर अपना शिकंजा पूरे मैच के दौरान कसे रखा था और एक समय पर ऐसा लग रहा था कि टीम जीत जाएगी, लेकिन मेजबान टीम ने मैच किसी तरह से ड्रॉ करा लिया। हालांकि इस टीम के कुछ खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और

ये टीम भी जीत के साथ सीरीज का अंत करना चाहेगी, यानी दोनों टीमों के बीच दूसरे मैच में कड़ी टक्कर होने की पूरी उम्मीद है।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए जहां तक भारतीय प्लेइंग इलेवन की बात है तो इसमें शायद ही कोई बदलाव किया जाए। भारत के लिए पारी की शुरुआत वैभव और आयुष करेंगे। ये दोनों अच्छी लय में हैं और पहले टेस्ट में वैभव ने दूसरी पारी में अर्धशतक लगाया था जबकि कप्तान आयुष ने पहली पारी में शतक लगाया था। विहान तीसरे नंबर पर रहेंगे जिन्होंने पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अर्धशतक लगाया था। बल्लेबाजी क्रम में इनके बाद मौल्यराज सिंह चावड़ा, राहुल कुमार और फिर अभिज्ञान कुंडू होंगे। पहले टेस्ट में मौल्यराज ने निराश किया था और दोनों पारियों में बड़ा स्कोर नहीं कर पाए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्हें प्लेइंग इलेवन में रखा जा सकता है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो इसमें अंबरीश, एनान, दीपेश, हेनिल और अनमोलजीत सिंह होंगे।

जडेजा को कोस रहे लोगों को गौतम गंभीर ने दिया मुंहतोड़ जवाब, बीसीसीआई ने रिलीज किया वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे चल रही है. 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच में टीम इंडिया सीरीज बराबरी करने के इरादे से उतरेगी. इसके लिए खिलाड़ी मैदान पर जमकर पसीना बहा रहे हैं. इस बीच टीम के हेड कोच गौतम गंभीर का ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने रिलीज किया है, जिसमें वो टीम इंडिया के ऑलराउंडर खिलाड़ी रवींद्र जडेजा की तारीफ कर रहे हैं और उनको कोस रहे लोगों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं. लॉर्ड्स टेस्ट मैच में टीम इंडिया को 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा था.

लॉर्ड्स टेस्ट मैच में हार के बाद बीसीसीआई ने ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें टीम इंडिया के हेड कोच खिलाड़ियों से बात करते हुए रवींद्र जडेजा की तारीफ कर रहे हैं. गंभीर ने कहा, उन्होंने अविश्वसनीय लड़ाई लड़ी, जडू ने जो संघर्ष किया, वाकई में बहुत शानदार पारी थी. रवींद्र जडेजा ने लॉर्ड्स टेस्ट मैच की दूसरी पारी में नाबाद 61 रनों की पारी खेली थी. टीम इंडिया 193 रनों का पीछा करते हुए टीम इंडिया 170 रनों पर ऑल

आउट हुई, लेकिन जडेजा नाबाद रहे थे.टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी रवींद्र जडेजा की तारीफ की है. उन्होंने कहा, जडू भैया जैसा खिलाड़ी मिलना मुश्किल है. फील्डिंग, बॉलिंग और बैटिंग हर चीज में उन्होंने खुद को बेहतर किया है. वो टीम के लिए मुश्किल हालात में रन बनाते हैं. हम लकी हैं कि हमारे पास उनके जैसा खिलाड़ी है. लॉर्ड्स टेस्ट मैच की दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर आखिरी विकेट के लिए 13.2 ओवर 23 रनों की साझेदारी की थी, लेकिन शोएब बशीर ने सिराज को आउट करके इंग्लैंड को 22 रनों से जीत दिला थी.

पांच राज्यों में खेले जाएंगे मैच और 24 टीमें लेंगी हिस्सा, उद्घाटन 23 को; 3 करोड़ से अधिक के इनाम

कोलकाता, एजेंसी। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ांगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा। एशिया की सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता डूरंड कप इस वर्ष नए रिकॉर्ड और भव्य आयोजनों के साथ होने जा रही है। गुरुवार को कोलकाता के एओआई विजय दुर्ग में आयोजित ट्रॉफी अनावरण समारोह के दौरान 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के आयोजन समिति ने इसकी घोषणा की। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ांगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा।

इस अवसर पर प्रतियोगिता की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियों डूरंड कप, शिमला ट्रॉफी (1904 से) और प्रेसिडेंट्स

कप (स्थायी रूप से विजेता के पास रहता है) का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उनके साथ थे आईएएस राजेश कुमार सिन्हा, आयोजन समिति के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा और उपाध्यक्ष, डूरंड आयोजन समिति मेजर जनरल राजेश अरुण मोगे उपस्थित थे।इस मौके पर पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास अरूप विश्वास ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उद्घाटन और 23 अगस्त को फाइनल मुकाबले में मौजूद रहेंगी। चार बड़े क्लब मोहन बागान, ईस्ट बंगाल, मोहम्मडन एससी और डायमंड हार्बर एफसी के लिए 5000-5000 टिकट आरक्षित किए गए हैं, ताकि प्रशंसकों की भागीदारी अधिकतम हो सके।इस मौके पर आईएएस राजेश कुमार सिन्हा ने कहा, डूरंड कप ने पिछले छह वर्षों में कोलकाता में फिर से अपनी गरिमा प्राप्त की है। राज्य सरकार ने आयोजन के लिए 15 करोड़ खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में सभी विभागों का सहयोग सराहनीय है।लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने घोषणा की कि इस बार 3 करोड़ से अधिक इनामी राशि रखी गई है, जो पहले के 1.2 करोड़ से कहीं अधिक है। तीन व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को एसयूवी गाड़ियां दी जाएंगी। यह भारतीय फुटबॉल प्रतिभाओं को सम्मान और प्रोत्साहन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

24 टीमें, छह समूह में बंटी हैं : मोघे

खेल के बारे में जानकारी देते हुए मेजर जनरल राजेश अरुण मोगे ने कहा, प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट फॉर्मेट में होगी। 24 टीमें, छह समूहों में बंटी हैं, और देश के पांच राज्यों में खेलेंगी। कोलकाता दो ग्रुप के 15 मैच, एक क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल की मेज़बानी करेगा।

डूरंड कप 2025 के मैच देश के 5 राज्यों में आयोजित होंगे

बंगाल की राजधानी कोलकाता के युवभारती और किशोर भारती स्टेडियम, कोकराझार (असम) मणिपुर (इंफाल), मेघालय (शिलांग) और झारखंड के जमशेदपुर में मैच खेले जाएंगे। कोलकाता में होंगे 15 लीग मैच खेले जाएंगे। इसके अलावा एक क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और 23 अगस्त को फाइनल मैच खेला जाएगा।

Labubu doll:

लाबूबू डॉल को लेकर इस एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट ने किया बड़ा दावा, बोलीं- जिंदगी बर्बाद हो जाती है

इन दिनों बॉलीवुड और टीवी की कई एक्ट्रेसेस लाबूबू डॉल अपने साथ लेकर घूम रही हैं। यह डॉल इन दिनों दुनिया भर में ट्रेंड कर रही है। हाल ही में एक टीवी एक्ट्रेस ने दावा किया है कि यह लाबूबू डॉल शापित है। जिसके पास यह होती है, उसके साथ कुछ बुरा जरूर होता है। रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' में नजर आई एक एक्ट्रेस ने हाल ही में दावा किया है कि जिसके पास भी लाबूबू डॉल होगी उसे किसी न किसी तरह की मुश्किल, अपशकुन का सामना करना होगा। एक्ट्रेस की एक रिश्तेदार की दोस्त के साथ लाबूबू डॉल के कारण बुरी घटना हो चुकी है।

लाबूबू डॉल के कारण हुई अनहोनी

अर्चना गौतम को 'बिग बॉस 16' में देखा गया था। हाल ही में इस एक्ट्रेस ने एक वीडियो में दावा किया है कि लाबूबू डॉल हॉन्टेड है। वह कहती हैं, 'मेरी एक रिश्तेदार की दोस्त ने यह डॉल खरीदी थी। खरीदते ही उसके घर में अजीबो-गरीब चीजें होने लगी थीं।

मेरी रिश्तेदार की दोस्त की शादी टूट गई, कुछ दिन पहले ही उसकी शादी तय हुई थी। लाबूबू डॉल के आने के अगले ही दिन उसके पापा का देहांत हो गया। बाद में उस लड़की ने लाबूबू डॉल अर्चना को रिश्तेदार को देनी चाहिए, मगर उन्होंने लेने से इंकार कर दिया।'

पहले भी हो चुके हैं अर्चना जैसे दावे

इन दिनों सोशल मीडिया पर लाबूबू डॉल ट्रेंड कर रही है। हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड सेलिब्रिटी तक इसे लेकर घूम रहे हैं। यह एक ऐसी डॉल है, जिसकी आंखें चौड़ी हैं और मुस्कान डरावनी है। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में यह दावा किया गया है कि यह एक राक्षस पजुजु का वर्जन है। मगर इस बात को इस डॉल को बनाने वाले मेकर्स ने बिल्कुल नकारा दिया है। साल 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासेंग लुआंग ने इस डॉल को बनाया था। यह डॉल नॉर्डिक फेयरीटेल स्टोरी से इंस्पायर है।

ब्लाइंड बॉक्स फॉर्मेट में बेच जाती है डॉल

एक तरफ तो यह डॉल डरावनी लगती है, वहीं क्यूट भी नजर आती है। यही कारण है कि लोगों में इसका क्रेज देखा जा रहा है। लाबूबू डॉल को एक चीनी कंपनी पॉप मार्ट ने फेमस किया था। 2019 में इस कंपनी ने ब्लाइंड बॉक्स फॉर्मेट में इसे बेचा। इस टेक्नीक में एक डिब्बे में डॉल को इस तरह से पैक किया जाता है कि पता नहीं चलता है कि अंदर कौन सी डॉल निकलेगी? इस सस्पेंस के कारण भी लाबूबू डॉल का क्रेज बढ़ता चला गया।

टाइगर श्रॉफ ने

बागी 4 को लेकर दी अहम जानकारी

टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बागी 4 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। आज टाइगर ने फिल्म बागी 4 को लेकर एक अहम जानकारी सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। टाइगर श्रॉफ ने अपना बेहद ही खूंखार लुक शेयर किया और कैप्शन में लिखा, प्रिय आर्मी, आप सभी को इंतजार कराने के लिए मुझे बहुत अफसोस है। मैं हर रोज आपके संदेश और पोस्ट देख रहा हूं और यकीन मानिए, मैं इसे जल्द से जल्द आपके साथ साझा करने के लिए बहुत उत्सुक हूं! मैं वादा करता हूं कि यह इंतजार के लायक है! मैं आपको जल्द ही पहले प्रोमो पर एक आधिकारिक अपडेट दूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद। लगभग समय आ गया है। टाइगर की इस पोस्ट पर आयशा श्रॉफ ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। वहीं एक्ट्रेस शीबा आकाशदीप साबिर ने फायर और स्माइली इमोजी बनाए हैं। विजय ठक्कर ने लिखा, बड़ी घोषणा का इंतजार नहीं कर सकता। सेलेब्स के अलावा कई फैंस ने भी टाइगर की इस पोस्ट पर जमकर कमेंट किए हैं।

कुशा कपिला की शॉर्ट फिल्म व्यर्थ का ट्रेलर हुआ रिलीज़

इंटरनेट सेंसेशन कुशा कपिला अपनी नई शॉर्ट फिल्म व्यर्थ के साथ दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है और इसने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म 19 जुलाई को रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है और साथ ही उन्होंने इसमें को-प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभाई है। कॉमेडी की दुनिया से पहचान बना चुकी कुशा इस बार एक बिल्कुल अलग अंदाज़ में नज़र आएँगी। व्यर्थ उनके लिए एक भावनात्मक और रचनात्मक स्तर पर एक नई दिशा है, जो उन्हें एक सशक्त कहानी कहने का अवसर देता है। व्यर्थ की कहानी भूमि नाम की एक एक्ट्रेस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बार-बार टाइपकास्ट की जा रही है। जब उसे माँ की भूमिका का प्रस्ताव मिलता है, तो उसकी उम्मीदें टूट जाती हैं। लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब उसकी यंग रूममेट मीनाक्षी उसी रोल के लिए उसकी मदद माँगती है। ट्रेलर में इस कहानी की जटिलता, महत्वाकांक्षा और संघर्ष की झलक मिलती है, जिसमें ट्रैजिक एलिमेंट्स के साथ-साथ ह्यूमर भी है। कुशा कहती हैं, जब मुझे व्यर्थ की स्क्रिप्ट मिली, जो कि सिर्फ 17 पन्नों की थी, तो मुझे उसी समय महसूस हुआ कि यह कहानी मेरे भीतर गहराई से गूँज रही है। यह सिर्फ एक किरदार नहीं था, जिसे मैं निभाना चाहती थी, बल्कि एक कहानी थी, जिसे मुझे जरूर दुनिया के सामने लाना था। इसकी थीम में कुछ बेहद सार्वभौमिक है और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक खुद को या अपने किसी करीबी को इसमें जरूर पहचानेंगे। व्यर्थ इंडस्ट्री के कई पहलुओं को छूती है। यह फिल्म इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स की जद्दोजहद, कास्टिंग डायरेक्टर्स का संघर्ष और उन एक्टर्स की सच्चाई को बखूबी पेश करती है, जो बार-बार कोशिश करने के बावजूद नाकाम हो जाते हैं।

जंगल एडवेंचर फिल्म से करेंगे डायरेक्टोरियल डेब्यू करेंगे अरिजीत सिंह

कहानी भी खुद ही लिखी

फेमस सिंगर अरिजीत सिंह गायिकी के बाद अब डायरेक्शन में हाथ आजमाने वाले हैं। सिंगर जल्द ही बिग बजट जंगल एडवेंचर थीम से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू करने वाले हैं। अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म की कहानी खुद सिंगर ने ही लिखी है। इस फिल्म को महावीर जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, अरिजीत और महावीर अनोखी जंगल एडवेंचर वाली इस फिल्म को पैन इंडिया ऑडियंस को ध्यान में रखकर बनाने वाले हैं। खबरों की माने तो फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और कास्टिंग का काम चल रहा है। कास्टिंग और फिल्म का टाइटल तय होने के बाद टीम फिल्म की अनाउंसमेंट करेगी। फिल्म को महावीर जैन के अलावा अलोकद्युति फिल्म्स मिलकर बना रहे हैं, जबकि गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

अहम किरदार निभाएंगी तिलोत्तमा

फिल्म में तिलोत्तमा शोम अहम किरदार निभाएंगी। इसका निर्देशन नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर संजय नाग करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू हो सकती है। श्वेता त्रिपाठी मसान, हरामखोर, द इलीगल, कार्गो और कंजूस मक्खीचूस जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह वेब सीरीज क्या मस्त है लाइफ, मिर्जापुर और लाखों में एक में नजर आ चुकी हैं। तिलोत्तमा शोम ने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं जिनमें मानसून वेडिंग, सर, शैडोबॉक्स और ए डेथ इन द गूंज शामिल हैं। वह दिल्ली क्राइम, द नाइट मैनेजर, और पाताल लोक जैसे शोज में नजर आई हैं।

विक्रांत मेस्सी ने छोड़ी रणवीर सिंह की डॉन 3

फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही फिल्म डॉन 3 की कास्टिंग में लगातार दिक्कतें हो रही हैं। कुछ समय पहले ही कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंसी के चलते लीड रोल छोड़ दिया था। वहीं अब फिल्म में नेगेटिव रोल के लिए साइन किए जा चुके एक्टर विक्रांत मेस्सी ने भी फिल्म से हटने का फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्रांत को उनका रोल पसंद नहीं आ रहा था। हाल ही में आई बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया है विक्रांत मेस्सी को डॉन 3 में उनके किरदार में गहराई की कमी लगी, जिससे उन्होंने इससे हटने का बोल्ड फैसला लिया है। फिल्म में उनका किरदार नेगेटिव था, जो चिकनी-चुपड़ी बातें करने वाला घोटालेबाज है। फिल्म में उनके लीड एक्टर रणवीर सिंह के साथ भी कई एक्शन सीक्वेंस थे। अब फरहान अख्तर को फिर एक बार कास्टिंग के लिए जद्दोजहद करनी पड़ेगी। मेकर्स नए एक्टर की तलाश में जुट चुके हैं। सूत्र के अनुसार, मेकर्स विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से इस रोल पर चर्चा कर रहे हैं, हालांकि दोनों की तरफ से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। जिस समय फिल्म बननी शुरू हुई थी, उस समय रणवीर सिंह के साथ कियारा आडवाणी लीड रोल में थीं। लेकिन प्रेग्नेंसी अनाउंस करने के ठीक बाद कियारा ने मेटरनिटी ब्रेक लेने के लिए अचानक फिल्म छोड़ दी। मेकर्स ने उनके इस फैसले का सम्मान किया था। कियारा की जगह अब फिल्म में कृति सेनन को साइन किया गया है।

रुद्र शक्ति शिव-पार्वती की कहानी : अक्षरा सिंह

भोजपुरी सिनेमा की जब बात होती है तो अक्षरा सिंह का नाम सबसे पहले जुबां पर आता है। अपनी दमदार अदाकारी और खूबसूरत आवाज से उन्होंने करोड़ों दिलों में खास जगह बनाई है। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म रुद्र शक्ति को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वह एक्टर विक्रांत सिंह के साथ नजर आएंगी। फिलहाल, अक्षरा फिल्म के प्रमोशन में जुटी हुई हैं और इसी कड़ी में गुरुवार को पटना पहुंचीं। उन्होंने बातचीत की और फिल्म को लेकर कई अहम बातें बताईं। बात करते हुए अक्षरा ने बताया कि निर्देशक निशांत एस. शेखर और निर्माता सीबी सिंह ने फिल्म को एक अलग सोच के साथ बनाया है। फिल्म की कहानी शिव-पार्वती की पौराणिक और आध्यात्मिकता पर आधारित है। हम सब ने मिलकर बहुत ही अलग किस्म के कॉन्सेप्ट पर काम किया है। यह कहानी परंपरा और आधुनिकता दोनों का मेल है। उम्मीद करती हूं कि लोगों को यह पसंद आएगी। एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म की शूटिंग काशी में बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से शुरू हुई और वहीं इसका समापन हुआ। इस अनुभव को उन्होंने अद्भुत सफर बताया। बात करते हुए अक्षरा भोजपुरी सिनेमा पर लगने वाले आरोपों पर भी खुलकर बोलीं। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्में अब सिर्फ अश्लीलता नहीं, आध्यात्मिकता और सिनेमा का मेल भी हैं। अक्षरा ने कहा, जब भी मैं पटना आती हूं, तो यहां की जनता मुझसे सवाल करती है कि भोजपुरी फिल्म कैसी होती है। लोग कहते हैं कि भोजपुरी फिल्में अश्लील होती हैं, लेकिन जब आप कुछ नया और अच्छा देंगे तभी धारणा बदलेगी। मैं बस यही कहना चाहती हूं कि अब एक ऐसी फिल्म आई है, जिसे आप पूरे परिवार के साथ बड़े चाव से देख सकते हैं। रुद्र शक्ति आपको आध्यात्मिकता से जोड़ेगी और सिनेमा का असली स्वाद भी देगी। यह एक संपूर्ण सिनेमा है। आप जरूर देखें और अपना अपार प्यार दें।

ये सितारे इस साल कर सकते हैं शादी

तो कुछ कर सकते हैं डेस्टिनेशन वेडिंग

2025 में बॉलीवुड और टीवी सितारों की शादी की चर्चा जोरों पर। इस साल कुछ जोड़ियां सात फेरे लेकर नई जिंदगी की शुरुआत कर सकते हैं, तो कुछ डेस्टिनेशन वेडिंग से सुर्खियां बटोर सकते हैं। जानिए इस लिस्ट में आपका पसंदीदा सितारा कौन सा है।

साल 2025 बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री के लिए प्यार और शादी का साल हो सकता है। कई मशहूर जोड़ियां इस साल शादी के बंधन में बंधने की तैयारी में हैं। कुछ सितारे डेस्टिनेशन वेडिंग की योजना बना रहे हैं। आइए जानते हैं उन जोड़ियों के बारे में, जिनकी शादी की खबरें सुर्खियों में हैं।

अली गोनी और जैस्मिन भसीन

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सबसे पहले बात करते हैं टीवी इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल अली गोनी और जैस्मिन भसीन की। पिछले कई साल से दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इन दोनों की लव स्टोरी बिग बॉस 14 के घर से शुरू हुई थी। अब दोनों काफी समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। खबरें हैं कि 2025 में यह जोड़ा शादी कर सकता है। फैंस उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा

टीवी की दुनिया का फेवरेट कपल तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा भी इस साल शादी के बंधन में बंध सकते हैं। बिग बॉस में शुरू हुई उनकी लव स्टोरी अब शादी तक पहुंच सकती है। दोनों अक्सर साथ में छुट्टियां मनाते और पार्टी करते नजर आते हैं।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ सिनेमा की सुपरहिट जोड़ी रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने कभी अपने रिश्ते को खुलकर स्वीकार नहीं किया, लेकिन दोनों को अक्सर साथ देखा जा चुका है। फैंस को उम्मीद है कि यह जोड़ी 2025 में डेस्टिनेशन वेडिंग कर सकती है। उनकी केमिस्ट्री हमेशा चर्चा में रहती है।

तृप्ति डिमरी और सैम मर्चेंट

रणबीर कपूर की एनिमल और कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 से प्रसिद्धि हासिल कर चुकीं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी, जिन्होंने 2024 में अपनी फिल्मों से सबका दिल जीता, अब वह भी शादी कर सकती हैं। तृप्ति अपने बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट के साथ शादी की योजना बना सकती हैं।

कृति सेनन और कबीर बाहिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी निजी जिंदगी को प्राइवेट रखती हैं, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह बिजनेसमैन कबीर बाहिया को डेट कर रही हैं। दोनों को हाल ही में ग्रीस में कृति के जन्मदिन पर साथ देखा गया था। फैंस को उम्मीद है कि यह जोड़ी 2025 में डेस्टिनेशन वेडिंग कर सकती है।

साभार एजेंसी

सेल्फकेयर सिर्फ ग्लैमर नहीं

एक तरह का अनुशासन है: रकुल प्रीत सिंह

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत अपनी फिल्मों और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। वह पॉजीटिव सोच और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चाओं में बनी रहती हैं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए योग के महत्व पर प्रकाश डाला। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके बताया कि कैसे योग उन्हें भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से संतुलित रखने में मदद करता है। उन्होंने सेल्फकेयर का सही मतलब भी समझाया और इस बात पर जोर दिया कि यह हमेशा ग्लैमरस नहीं होता, यह एक तरह का अनुशासन है, जिसमें थोड़ी सी सहजता भी शामिल है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह हेड स्टैंड करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हम अक्सर सेल्फ-लव और सेल्फ-केयर जैसे शब्द सुनते हैं, लेकिन इनका असली मतलब क्या है? सेल्फ-केयर हमेशा ग्लैमरस नहीं होता, बल्कि यह एक तरह का अनुशासन है। मेरे लिए, यह भावनात्मक, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित करने के लिए एकमात्र सहारा है। अभिनेत्री अक्सर इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा करती रहती हैं। इससे पहले उन्होंने विश्व योग दिवस के मौके पर पति जैकी भगनानी के साथ योग करते हुए कुछ वीडियो और तस्वीरें पोस्ट की थीं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री रोमांटिक कॉमेडी दे दे प्यार दे- 2 में फिर दिखाई देंगी, जो 2019 की बॉक्स ऑफिस हिट का सीक्वल है। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन भी अपने किरदार आशीष मेहरा को दोहराएंगे। निर्देशक अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित इस सीक्वल में तब्बू, जिमी शेरगिल, आलोक नाथ और इनायत सूद जैसे जाने-पहचाने चेहरे वापस आ रहे हैं।